श्री गणेशाय नमः

श्री श्याम देवाय नमः

श्री हनुमते नमः

श्री श्याम भजन गंगा

भाग -१७

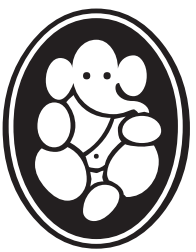

:रचयिता:

विनोद अग्रवाल ''हर्ष''

पंजीकृत आजीवन सदस्य

दी फिल्म राईटर्स एसोसियेशन, मुम्बई

दूरभाष (मो॰) : 9831295444

Web : www.vinoharsh.com

विषय सूची

भजन	पृष्ठ संख्या
श्री गणेश वन्दना	
गणराज म्हारे आगंण आज	1
शिव के दुलारे गिरिजा के लाल	2
सिंहासन पर सोहे गोरां शिव के	3
श्री गुरु वन्दना	
गुरु पिता है गुरु है माता गुरु चरण में	4
उम्मीद पिता तुमसे है आस पिता	5
श्री शिव वन्दना	
आई है आज शिव रात्री आई है	6
करके नन्दी सवारी चला भोला	7
क्युं भूल गये भोलेनाथ क्या भूल हुई	8
बम बम जपो हर पल	9
भोले भोले दानी तु दयालु	10
श्री हनुमत वन्दना	
आओ रे आओ रे आओ रे वीर बजरंगी	11
तालियां बजाओ जय श्री राम बोलो	12
तूने सीना चीर दिखाया ओ बाबा दुनिया	13
बालासां बिगड़ी बणाद्यो म्हारी	14

विषय सूची

भजन	पृष्ठ संख्या
मुलके मात सिया संग राम बालो	15
रक्षा हमारी कौन करेगा	16
सजी थारी झाँकी सोवणी	17
हे राम का आज्ञाकारी हे शंकर का	18
श्री राणी सती दादीजी वन्दना	
अरे म्हारी मावड़ी ने काँई भावे	19
काजल को टीको लगाल्यो जी	20
कुण माण्डी दादी हाथां में मेहन्दी	21
गल मोत्यां को हार सिर चूनड़	22
गाऊंगी दादी थारी महिमा गाऊंगी	23
चालो पगां लागणी की सब सखियां	24
थारी झाँकी मां सतरंगी थारी चुनड़ी	25
दादीजी आओ थारा मैं लाड	26
दादी के दरबार में अमृत बरसे	27
दादी आज हिण्डोला घलाया	28
दादी इतणो सो कर द्यो थारी बेटी	29
दादी जी के मंदरिये में मोर नाचे	30
दिन रात सती मात थारो मंगल गाऊँ	31
देखकर श्रृंगार दादी मैं ठगा सा	32

विषय सूची

भजन	पृष्ठ संख्या
प्यार चाहुँ माँ दुलार चाहुँ,	33
बरसां की आस पुराई दादी जी	34
बेटी व्यावण सारू होगी महर करो	35
महर चाहिये तेरी महर चाहिये	36
सज सौलह सिणगार भवानी	37
ले ले दादी शरणम्	38
हाथ बढ़ाओ थारा राणीसती मैया	39
हाथां में मेहन्दी दादी माण्डण आया हाँ	40
होली थाने माँ म्हे खिलावण आया हाँ	41
हो मंगल दादी को अररर मंगल दादी को	42
श्री गऊ माता वन्दना	
आजा रे नन्द लाला हमे तेरा ही सहारा	43
इठलाती रम्भाती घूमे गौशाला में गाय रे	44
ओ कान्हा आऽऽऽ रे जिसे मैने पोसा पाला	45
ओ साँवरे आ हमें दे शरण तेरी	46
कन्हैया रो-रो बुलावे तेरी गाय रे	47
करुणा निधि आ जाओ करुणा दिखला	48
क्या कहुँ क्या क्या सहे हैं दुखड़े मैंने सांवरे	49

विषय सूची

भजन	पृष्ठ संख्या
कोई देखले रे आँसु मैं बहाऊँ	50
गईया पुकारे है कान्हुड़ा तेरी गईया	51
गउओं की सेवा करले भव से तु पार	52
जग से है न्यारी गउएं हमारी	53
जवानी में मुझे पाला बुढापे में निकाला है	54
दुखड़े गिने ना कोई किसको मैं जा गिनाऊँ	55
बचाले मुझे कान्हा रो रो पुकारती	56
मेरा कसूर क्या है मुझको ना ये पता है	57
मोहन आजा रे बनके तु मेरा खेवनहार	58
मैं माँ हुँ तेरी बेटे क्युं मुझको बिसारा है	59
लाचार हो चुकी हुँ, सुझे न कुछ भी कान्हा	60
श्याम सम्भालो गऊ बुलाये	61
सुन सांवरे तेरे ही भरोसे मेरी लाज रे	62
हस्ती तेरी ना होती जो माँ नहीं होती	63
है धन्य तुम्हारा जीवन इस लायक बना लिया	64
श्री श्याम वन्दना	
अब आन मिलो मोहन तनहाई नहीं जाती	65
अरे दयालु मेरा गुजारा चलाये	66

विषय सूची

भजन	पृष्ठ संख्या
आओ जी म्हारा सांवरिया सरकार	67
आज से मेरा ये जीवन तेरा हो गया	68
आडम्बर में ही बाबा जब सबका ध्यान हो	69
इस दीन पे करम तुम कब तक करोगे दाता	70
ए दो जहां के मालिक मेरी खता बता दे	72
और नहीं मैं कुछ भी चाहुं	73
क्या कहीं मुरुझाये फूल भी खिलते हैं	74
कइयाँ थाने दुखड़ो सुणाऊँ सांवरा	75
कीर्तन माहीं श्याम जी बेगा आओ धणी	76
चढ़ गयो चढ़ गयो चढ़ गयो रे	77
चालो भगता नजर उतारां सांवरिया	78
चलो रे खाटु के दरबार	79
जब कभी दिल उदास होता है	80
जबसे नजर तेरी पड़ गई है	81
जिस घड़ी ओ सांवलिये मैं शरण	82
जो मैं देखन चली सांवरे की गली	83
थारी सूरत प्यारी प्यारी थारी	84
थारी मरजी जइयां बुलाओ खाटु में	85
थोड़ी पलक्याँ ने उघाड़ो बाबा श्याम	86

विषय सूची

भजन	पृष्ठ संख्या
दरजीड़ो आयो सांविरयां आवो	87
दया बिन तुम्हारे कौन करेगा	88
दर्शन को तेरे बाबा मेरी आँख	89
देख्याँ बिना कान्हुड़ा माने ना हिवड़ियो	90
ना कभी तेरा सुमिरन किया	91
ना बिसारो ना बिसारो बाबा टाबरियो	92
निरख निरख यो गयो खिसक	93
प्यारो लागे लड्डु गोपाल रे	94
बाबा इस बालक पे नजरें सीधी रखना	95
भगतां सुं मुण्डो फिराया क्युं कान्हुड़ा	96
म्हारे सिरपे फिरा द्यो हाथ शरण	97
मैं जानता हूँ ठाकुर हर शय में तु समाया	98
मैं पाप करते करते थक सा गया विधाता	99
मैं पाप का पुतला हूँ तु दया की मूरत है	100
मैं हार के दर पे आया मुझे दुनिया ने	101
मैनु नचण दे जमके करूं धमाल	102
मैने इन अपनी निगाहों को जिधर फेरा है	103
मेरी नाव पड़ी मझधार सम्भालो	104

विषय सूची

भजन	पृष्ठ संख्या
मेरी निगाह कन्हैया हटे नहीं तुमसे	105
म्हे तो म्हारे कान्हुडे पे वारी जावां	106
मेरे लाडलो मेरी किरपा जो चाहो	107
मोसे करे बरजोरी मैया तेरो यो लालो	108
रलमिल के खाटु जास्याँ जाके निशान	109
श्याम के अधरों पे इक जादुभरी	110
सिर पे तुम्हारा साया श्याम तेरी	111
सुनलो सुनलो दीनानाथ	112
सेठ सांवरा मुख सुं बोलो के गलती	113
सोणो सोणो मेरो सांवरो वृन्दावन में	114
सोणा सोणा सोणा ये तेरा गोपाल	115
होठ हैं सिले सिले सांवरे बिन कहे हर बात तु	116

आरती

क्षमा याचना	117
श्री श्याम आरती	118
श्री श्यामजी की आरती	119
श्री हनुमानजी की आरती	120

श्री गणेश वन्दना

तर्ज - उमराव

गणराज म्हारे आगंण आज पधारो म्हारा राज,
गणराज जी ओ जी गणराज ।। टेर ।।

सबसुं पहल्यां आपने नूतो दियो भिजाय,
म्हारो मान बढ़ाइज्यो रिद्ध सिद्ध सागे आय,
गणराज म्हारा अटक्या काज संवारो म्हारा राज ।। १ ।।

कीर्तन माण्ड्यो श्याम को थारी है दरकार,
थारे आयां ही सजे बाबा को दरबार,
गणराज म्हाने एक आसरो थारो म्हारा राज ।। २ ।।

ऊँचे आसण बैठके हुकम सुणाओ नाथ,
टाबरियां के शीश पे आय फिराओ हाथ,
गणराज आके कीर्त्तन सफल बणाओ म्हारा राज ।। ३ ।।

थारो ही है आसरो थां पर दारमदार,
'हर्ष' पड़ी मझधार में नैया करद्यो पार,
गणराज म्हाने दीज्यो आज सहारो म्हारा राज ।। ४ ।।

श्री गणेश वन्दना

तर्ज - छोटी छोटी गईया...

शिव के दुलारे गिरिजा के लाल,
भोग लगाओ हमें करदो निहाल ।। टेर ।।

सवामणी भरे लड्डुअन थाल,
भेंट धरे तेरे सुण्ड सुण्डाल ।।
शिव के दुलारे... ।। १ ।।

मुसे चढ़ आओ गणपत लाल,
मान बढ़ाओ आके हे रखपाल ।।
शिव के दुलारे... ।। २ ।।

घर में पधारो दीन के दयाल,
दीनों का रखलो थोड़ा सा खयाल ।।
शिव के दुलारे... ।। ३ ।।

रिद्ध सिद्ध संग ले आओ शिव लाल,
'हर्ष' दयालु आके करदो कमाल ।।
शिव के दुलारे... ।। ४ ।।

श्री गणेश वन्दना

तर्ज - आज मेरे यार की शादी है...

सिंहासन पर सोहे गोरां शिव के प्यारे हैं,
गजानन आज पधारे हैं ।। टेर ।।

शीश पे मुकुट निराला, गले मोतियन की माला,
वो लम्बे उदर वाला, कुहाये सुण्ड सुण्डाला,
आज हुऐ रे हम भगतों के वारे न्यारे हैं ।।
गजानन आज पधारे हैं... ।। १ ।।

करे मुसे असवारी, संग में रिद्ध सिद्ध प्यारी,
साथ शुभ लाभ आये, ये शोभा वरणी न जाये,
बाधायें अब दूर हुई सब काज संवारे हैं ।।
गजानन आज पधारे हैं... ।। २ ।।

इन्हें मोदक ही भाये, लो भर भर थाल सजाये,
चंवर सेवक ढुलाये, वो रूच रूच भोग लगाये,
'हर्ष' कहे अब चमक उठे किस्मत के तारे हैं ।।
गजानन आज पधारे हैं... ।। ३ ।।

श्री गुरु वन्दना

तर्ज : राम तेरी गंगा मैली हो गई...

गुरु पिता है गुरु है माता, गुरु चरण में शीश नवाता,
सुनो सुनाऊँ गुरु की गाथा-२
भूतेश्वर की सेवा में जीवन बिताया,
महिपाल गुरु भगती तेरी फल गई,
शिव ने शरण में बुलाया, बम बम बोलो...।। टेर ।।

बालापन में ही शिव सेवा, गुरुवर ने अपनाई,
हम जैसो का हाथ पकड़ के, शिव की राह दिखाई,
हाथों से मंदिर को धोये, रहते शिव सेवा में खोये,
शिव को यादों में संजोये, सेवा में ही जागे सोये,
खुद को लुटाकर नाम खजाना पाया ।। १ ।।

सांसारिक होकर भी जीवन, संत सरीखा जीये,
भूतनाथ भक्ति का अमृत, जीवन भर ही पीये,
गरमी सर्दी हो या सावन, लगता कुटिया में ही आसन,
ज्योर्तिलिंगों सा ये पावन, हो गया भूतेश्वर का आंगन,
मंदिर को तूने दुनिया में पुजवाया ।। २ ।।

सावन महिना शुक्ल पक्ष की, पावन अष्टमी आई,
ब्रह्म बेला में नश्वर काया, शिव में जाय समाई,
गुरुवर तेरी ये कहानी, कभी होगी ना पुरानी,
तेरी गाथा सबने जानी, तेरे ''हर्ष'' ने बखानी,
भूतनाथ को सिद्ध पीठ बनाया ।। ३ ।।

मात पिता वन्दना

तर्ज : सौ बार जनम लेंगे...

उम्मीद पिता तुमसे, है आस पिता तुमसे,
परिवार की हिम्मत तु, विश्वास पिता तुमसे ।। टेर ।।

तेरी पीठ पे चढ़ जायें, बचपन का खिलौना हो,
तेरे पेट पे सो जायें, प्यारा सा बिछौना हो,
हर पल खुशियां देते, उल्लास पिता तुमसे ।। १ ।।

बाहर से सख्त मगर, भीतर से कोमल है,
बच्चों के लिए धड़के, इक पिता का ही दिल है,
सपने सच होने का, अहसास पिता तुमसे ।। २ ।।

उस रब को क्या देखें, जब तुमको देख लिया,
भगवान को क्या जाने, जब तुमको जान लिया,
तेरे 'हर्ष' का तन तुमसे, हर साँस पिता तुमसे ।। ३ ।।

श्री शिव वन्दना

तर्ज : आयेगा - ३ लीले चढ़ सांवरा आयेगा...

आई है-३ आज शिव रात्री आई है,
बड़ी पावन बेला है, भगतों का मेला है,
बधाई है -३ सबको आज बधाई है ।। टेर ।।

शिव बाबा की बारात चली, नन्दी गण नाचे गली गली,
तिरलोकी सा वर पाकर के,गोरां के मन की कली खिली,
आई है-३ आज शिव रात्री आई है.... ।। १ ।।

मंदिर दुल्हन सा आज सजा, गठजोड़ा बंधन आज बंधा,
मैया गोरा की मांग सजी, फर फर फर फड़के शिखर ध्वजा,
आई है-३ आज शिव रात्री आई है.... ।। २ ।।

शुभ मंगल की ये रात बड़ी, निरखे है दुनिया खड़ी खड़ी,
कहे ''हर्ष'' दिवाने नाच रहे, ऐसी मस्ती है चढ़ी-चढ़ी,
आई है-३ आज शिव रात्री आई है.... ।। ३ ।।

श्री शिव वन्दना

तर्ज - मेरी प्यारी बहनिया बनेगी दुल्हनिया...

करके नन्दी सवारी, चला भोला भण्डारी,
नाग नाचे हैं कांधे पे काला,
बाबा दूल्हा बना है निराला ।। टेर ।।

तन पे भभूत और भष्मी रमाई,
मैना रानी आया तेरा बनके जमाई,
चिमटा बजाये खड़ताल विराजे,
वेश धरके चला जोगी वाला ।। १ ।।

हिमाचल की गलियों का अजब नजारा,
देखके बारात ये हैरान जग सारा,
भूत प्रेत आये सारे बनके बाराती,
पहने मुण्डो की गले में माला ।। २ ।।

देखी ना सुनी है कभी ऐसी ये बारात है,
दोनों के मिलन की ये पावन शिवरात है,
शिव और शक्ति का बंधन अनूठा,
देख 'हर्ष' हुआ मतवाला ।। ३ ।।

श्री शिव वन्दना

तर्ज : चिट्ठी ना कोई संदेश...

क्युं भूल गये भोलेनाथ, क्या भूल हुई है नाथ,
मुझे क्युं भुला दिया,
प्रभु देख मेरे हालात, ना छोड़ना मेरा साथ,
मुझे क्युँ भुला दिया ।। टेर ।।

जीवन में मेरे बाबा तूफान सा आया है,
कल तक जो अपना था वो आज पराया है,
अब तु ही पकड़ना हाथ, मेरे भूतों के हे नाथ ।।
मुझे क्युं भुला दिया... ।। १ ।।

दुनिया ने भुलाया है रह रह के सताया है,
खुदगर्ज जमाने में तुझे अपना पाया है,
अब हो गई कौन सी बात, मेरा छोड़ दिया क्युँ साथ ।।
मुझे क्युं भुला दिया... ।। २ ।।

कहीं गिर ना जाऊं मैं बाहों में जबकड़ले तु,
तेरे ''हर्ष'' का दीनानाथ अब हाथ पकडले तू,
अब मेट दो काली रात, समझो मेरे जज्बात ।।
मुझे क्युं भुला दिया... ।। ३ ।।

श्री शिव वन्दना

तर्ज : कहीं दीप जले कहीं दिल...

बम बम जपो हर पल,
मेरे भूतनाथ को ध्याले रेSSS
बम बम जपो हर पल ।। टेर ।।

ज्योर्तिलिंगों सम प्यारा,
मेरे भूतनाथ का द्वारा,
फिरता क्युँ मारा मारा ।। १ ।।

काले टीके की माया,
जिसने भी तिलक लगाया,
कष्टों से मुक्ति पाया ।। २ ।।

सन्मुख है मैया तारा,
पीछे गंगा की धारा,
मरघट के पास है डेरा ।। ३ ।।

गुरु महिपाल ने ध्याया,
शिव लोक में उन्हें बुलाया,
कहे ''हर्ष'' प्रभु की माया ।। ४ ।।

श्री शिव वन्दना

तर्ज : भोले ओ भोले...

भोले भोले दानी, तु दयालु तु कृपालु,
तेरा नाम लेके सोऊं, तेरा नाम लेके जागुँ ।। टेर ।।

मेरी दुनिया बस तु है, अब दूसरा न कोई,
मेरे बाबा बिन तेरे, मुझे आसरा न कोई,
नैया की पतवार तुही है, मेरा खेवनहार तुही है,
बात ये मैने जानी ।।
तेरा नाम लेके... ।। १ ।।

तेरे होते मेरे बाबा, चिन्ता करूँ मैं कैसी,
है भरोसा तु हरेगा, विपदा हो चाहे जैसी,
चिन्ता फिकर मिटाये तुही, विपदा दूर भगाये तुही,
कौन है तेरा सानी ।।
तेरा नाम लेके... ।। २ ।।

जग छूटे चाहे बाबा, तेरा साथ ना ये छुटे,
मेरा भोला वरदानी, मुझसे कभी ना रूठे,
''हर्ष'' तेरे चरणों का चेरा, तु मालिक में सेवक तेरा,
मैं मूरख तु ज्ञानी ।।
तेरा नाम लेके... ।। ३ ।।

श्री हनुमत वन्दना

तर्ज : आयेगा- २ लीले चढ़ सांवरा आयेगा...

आओ रे आओ रे आओ रे, वीर बजरंगी आओ रे,
तेरा राम पुकारे है, सब तेरे सहारे है,
लाओ रे, लाओ रे, लाओ रे, जल्दी से बूंटी लाओ रे ।।

लक्ष्मण पे मुरछा छाई है, ये कैसी मुसीबत आई है,
अब संकट मोचन आ जाओ, तेरे राम की तुझको दुहाई है,
आओ रे आओ रे आओ रे, वीर बजरंगी आओ रे, ।। १ ।।

तेरे राम पे जब विपदा आये, पल भर में तु दौड़ा आये,
गर जल्दी से तु न आया, भाई को जिन्दा ना पाये,
आओ रे आओ रे आओ रे, वीर बजरंगी आओ रे।। २ ।।

जब लौट आयोध्या जाऊँगा, मैं माँ को क्या बतलाऊँगा,
ऐ ''हर्ष'' विरह में भाई के, मैं जिन्दा ना रह पाऊँगा,
आओ रे आओ रे आओ रे, वीर बजरंगी आओ रे ।। ३ ।।

श्री हनुमत वन्दना

तर्ज - अंजन की सीटी में...

तालियां बजाओ जय श्री राम बोलो,
बोलो बोलो रे भगत थारो मुण्डो खोलो ।। टेर ।।

राम नाम का जैकारा सुं आसमान गुंजाओ,
राम नाम की धुन में चालो ध्यान मगन हो जाओ,
बोलो बोलो रे भगत थारो मुण्डो खोलो ।।
तालियां बजाओ... ।। १ ।।

राम सुमरले भाया थारा भव बंधन कट जावे,
राम नाम ही बैतरणी सुं परली पार लगावे,
बोलो बोले रे भगत थारो मुण्डो खोलो ।।
तालियां बजाओ... ।। २ ।।

राम नाम की महिमा भारी कट जासी चौरासी,
'हर्ष' कहवे यो विपदा मांही थारे आडो आसी,
बोलो बोलो रे भगत थारो मुण्डो खोलो ।।
तालियां बजाओ... ।। ३ ।।

श्री हनुमत वन्दना

तर्ज : मैं जट यमला पगला दिवाना...

तूने सीना चीर दिखाया ओ बाबा दुनिया को दिखलाया,
जहां पे मेरे प्राण बसते हैं वहीं पे मेरे राम बसते हैं ।।

भक्त शिरोमणी वीर तुम्हीं कहलाते हो,
राम प्रभु का हरपल ध्यान लगाते हो,
विपदा में झट बाबा दौड़े चले आते हो,
रामजी को दुखड़ों से पल में बचाते हो,
पल पल साथ निभाया ।। १ ।।

ब्रह्मपाश में बंधकर लंका आये थे,
सोने की लंका को खाक बनाये थे,
शक्ति तुम्हारी पापी जान न पाये थे,
पूंछ में तुम्हारी रुई तेल लिपटाये थे,
शक्ति का बोध कराया ।। २ ।।

''हर्ष'' कहे तुम्हे रघुवर ने पहचाना है,
भरत सरीखा भाई तुमको माना है,
सारा जग जाने तु तो राम का दिवाना है,
भक्ति का लोहा सारी दुनिया ने माना है,
कौन सा पुण्य कमाया ।। ३ ।।

श्री हनुमत वन्दना

तर्ज - मोरिया

बालासां बिगड़ी बणाद्यो म्हारी आज जी,
थां बिन कुणतो म्हारी पीड़ मिटावे आज बालासा ।। टेर ।।

बालासां दुखड़ा सतावे म्हाने मोकला,
थां बिन कुणतो दुखड़ा दूर भगावे आज बालासां ।।
बिगड़ी बणाद्यो... ।। १ ।।

बालासां म्हारो नसीबो म्हासुं रुसग्यो,
थां बिन कुणतो सुत्या भाग जगावे आज बालासां ।।
बिगड़ी बणाद्यो... ।। २ ।।

बालासां निर्बल की पकड़ो आके आंगली,
थां बिन कुणतो सिरपे हाथ फिरावे आज बालासां ।।
बिगड़ी बणाद्यो... ।। ३ ।।

बालासा 'हर्ष' खड़्यो है बाबा ऐकलो,
थां बिन कुणतो म्हारो साथ निभावे आज बालासां ।।
बिगड़ी बणाद्यो... ।। ४ ।।

श्री हनुमत वन्दना

तर्ज : रसिया

मुलके मात सिया संग राम, बालो छम छम नाचे रे,
छम छम नाचे रे, बालो छम छम नाचे रे ।। टेर ।।

अवध में उग्यो नयो प्रभात,
जगत ने मिली नई सौगात,
हो रही फूलां की बरसात,
आज अयोध्या नई नवेली बनड़ी लागे रे ।। १ ।।

हाथ में लेकर के खड़ताल,
बालो म्हारो नाचे नौ नौ ताल,
नहीं आँकी दूजी कोई मिसाल,
लाल लंगोटो कमर हाथ में घोटो साजे रे ।। २ ।।

सज्यो है रघुवर को दरबार,
तिलक के तांई सब तैयार,
जगत में गूंजे जय जयकार,
भरत लखन शत्रुघन सागे राम विराजे रे ।। ३ ।।

बाला थारी शोभा अति भारी,
उतारे निजरां नर नारी,
''हर्ष'' थारो थापे बलिहारी,
पगल्याँ मांही खन खन खन घुघरिया बाजे रे ।। ४ ।।

श्री हनुमत वन्दना

तर्ज : बहुत प्यार करते हैं...

रक्षा हमारी कौन करेगा,
तुम ना करोगो तो, कोई ना करेगा ।। टेर ।।

कुछ ना छुपा तुमसे कहके क्यां बोलुं,
बता तेरे आगे कैसे मुंह खोलुं,
दुखड़े बिना तेरे कोई ना हरेगा ।।
रक्षा हमारी... ।। १ ।।

नाराज है मुझसे ग्रह मेरे सारे,
पर वो भी हैं बाबा वश में तुम्हारे,
किरपा सिवा तेरे कोई ना करेगा ।।
रक्षा हमारी... ।। २ ।।

किरपा का कोई जरिया तु करदे,
''हर्ष'' दयालु सिरपे तेरा हाथ धर दे,
तु ना धरेगा तो कोई ना धरेगा ।।
रक्षा हमारी... ।। ३ ।।

श्री हनुमत वन्दना

तर्ज : बन्नो तेरी अंखियां...

सजी थारी झाँकी सोवणी सी -२,
बाला थारी महिमा सब सु न्यारी-२ ।। टेर ।।

गुंथ्या जुही चंपा, मोगरा जी,
बाला थारो गजरो है हजारी ।।
सजी थारी झाँकी... ।। १ ।।

बाजे थारे पग में, घूंघरा जी,
बाला थारी चलगत की बलिहारी ।।
सजी थारी झाँकी... ।। २ ।।

सोवे थारे पर्वत, हाथ में जी,
बाला थारो घोटो सब पे भारी ।।
सजी थारी झाँकी... ।। ३ ।।

ध्वजा थारी शिखरां, ''हर्ष'' फरुखे,
बाला थांपे म्हे तो जावाँ वारी ।।
सजी थारी झाँकी... ।। ४ ।।

श्री हनुमत वन्दना

तर्ज : म्हाने पल पल पल पल ...

हे राम का आज्ञाकारी, हे शंकर का अवतारी,
म्हारे सिर पे हाथ फिराओ, म्हे शरण पडया हाँ थारी,
म्हाने पल पल पल पल थारी याद सतावे है,
हे वीर बली भगतां ने ओल्युँ आवे है ।। टेर ।।

म्हारे जी में आवे बाबा थारे धाम आ जावाँ,
थारे धाम आके थारे चरणां में झुक जावाँ,
म्हाने बेगा हुकम सुणावो, सालासर धाम बुलावो,
म्हे आस लगायां बैठया, भगतां री आस पुरावो ।। १ ।।

थारा देसी घी का लाडु म्हाने याद आवे है,
थारो भोग चूरमो बाबा म्हाने भोत भावे है,
पूरब मुख मंदिर थारो, भगतां ने लागे प्यारो,
थे आवणियां का बाबा, सै बिगड़या काज संवारो ।। २ ।।

म्हारो भेद हिये को बाबा थारे स्यामी खोलागां,
जै थांसु ना बोलां तो म्हे कीने बोलागां,
थारी ''हर्ष'' घणी सकलाई, बेगा सा करो सुणाई,
शरणागत का दुख मेटो, थाने राम प्रभु की दुहाई ।। ३ ।।

श्री राणी सती जी वन्दना

तर्ज : अरे म्हारे कानुड़े रे कांई होयो...

अरे म्हारी मावड़ी ने काँई भावे ।। टेर ।।

दादी जी को भोग लेके बगांलीड़ो आयो,
छेणा चमचम-३ सागे ल्यायो जी ।। १ ।।

दादीजी को भोग लेके मद्रासिड़ो आयो,
सागे इडली-३ सांभर ल्यायो जी ।। २ ।।

दादीजी को भोग लेके पंजाबिड़ो आयो,
मीठी लस्सी-३ सागे ल्यायो जी ।। ३ ।।

दादीजी को भोग लेके गुजरातीड़ो आयो,
सागे सेव-३ फाफड़ा ल्यायो जी ।। ४ ।।

''हर्ष'' भाव लेके सब कोई आवे,
साँची श्रद्धा-३ माँ ने भावे जी ।। ५ ।।

श्री राणी सती जी वन्दना

तर्ज : घुंघटियो आडे आग्यो जी...

काजल को टीको लगाल्यो जी,
कोई लागे ना निजर म्हारी माँ ।। टेर ।।

चिमकणी चुनड़ी चमके जी,
कोई लागे ना निजर म्हारी माँ ।।
काजल को टीको... ।। १ ।।

खनकणी पायल खनके जी,
कोई लागे ना निजर म्हारी माँ ।।
काजल को टीको... ।। २ ।।

दमकणी नथली दमके जी,
कोई लागे ना निजर म्हारी माँ ।।
काजल को टीको... ।। ३ ।।

लाडकणी ''हर्ष'' लागो दादी,
कोई लागे ना निजर म्हारी माँ ।।
काजल को टीको... ।। ४ ।।

श्री राणी सती जी वन्दना

तर्ज : गर जोर मेरो चाले...

कुण माण्डी दादी हाथां में मेहन्दी थारे सोवणी,
सूरज की लाली ज्युं चमके मेहन्दी माँ मन मोवणी ।।

चान्दी चौकी बैठ्या मायड़ गुल बनड़ी सा लागो,
लाल सुरंगी रची हथेल्यां मनड़ो मोवे मावड़ी ।।
कुण माण्डी दादी... ।। १ ।।

ऐसे रंग चढ्यो हाथां में चन्दो भी शरमावे,
निजर हटे ना हाथां सु मां मेहन्दी राची राचणी ।।
कुण माण्डी दादी... ।। २ ।।

घणे चाव सुं सर्वसुहागण थारा हाथ रचाई,
हाथां माही बेल और पत्ती लागे है मन भावणी ।।
कुण माण्डी दादी... ।। ३ ।।

तु बड़भागन ''स्वाति'' तेरे घर में दादी आई,
''हर्ष'' कहवे तकदीर जगाद्यो मेरी भी नारायणी ।।
कुण माण्डी दादी... ।। ४ ।।

श्री राणी सती जी वन्दना

तर्ज : ना कजरे की धार...

गल मोत्यां को हार, सिर चूनड़ चमकदार,
थे कर सोलह सिणगार माँ,
बनड़ी सी लागो जी -२ ।। टेर ।।

थारे हाथां सौणी चंगी माँ मेहन्दी रची सुरंगी,
चुड़लै की खनखन प्यारी थारी झाँकी माँ सतरंगी,
मन मेरो मोह लियो है थारी पायल की झनकार ।।
गल मोत्यां को हार... ।। १ ।।

थारे माथे बिन्दिया चमके नथली में हीरो दमके,
थाने देख देख कर दादी भगतां को मनड़ो हरखे,
जादु सो चढ़ गयो है मैं भूली माँ घर द्वार ।।
गल मोत्यां को हार... ।। २ ।।

थाने ''स्वाति'' निरखण तांई थारे मंदरिये में आई,
कहवे ''हर्ष'' देखकर थाने सुध बुध सारी बिसराई,
पल भर ना हटे निजरां मैं निरखु बारम्बार ।।
गल मोत्यां को हार... ।। ३ ।।

श्री राणी सती जी वन्दना

तर्ज : आयेगा आयेगा आयेगा लीले चढ....

गाऊंगी -३, दादी थारी महिमा गाऊंगी,
थे जग सेठाणी हो, सतियां की राणी हो,
पाऊंगी-३, दादी थारी किरपा पाऊंगी ।। टेर ।।

नारायणी को गुण गाणो है,
ई दुनिया ने बतलाणों है,
दादी जी के श्री चरणां में,
जीवन यो मने बिताणों है ।। १ ।।

मैं करूं चाकरी थारी मां,
इब थारो हुकम बजाऊंगी,
थे जइयां राखोला मन्ने,
मैं बइयां ही रह जाऊंगी ।। २ ।।

थारी ''स्वाति'' कोरो कागज थी,
थे बेटी पर उपकार कर्या,
मेरी झोली में थारी सेवा की,
माँ ''हर्ष'' थे सुन्दर भेंट धर्या ।। ३ ।।

श्री राणी सती जी वन्दना

धमाल

चालो पगां लागणी की सब सखियां रीत निभावां ऐ,
दादी जी का पंगा लाग के आशीष पावां ऐ ।। टेर ।।

दादीजी के श्री चरणां ने कसके आज पकड़ल्यो ऐ,
सदा सुहागण को दादी सुं अशीष पावां ऐ ।।
चालो पगां लागणी... ।। १ ।।

दादी जी के पगल्याँ मांही नत मस्तक हो जावो ऐ,
बेटा पोतां को दादी सुं आशीष पावां ऐ ।।
चालो पगां लागणी... ।। २ ।।

दादी जी के पैरां मांही माथो सगला टेको ऐ,
सुख सम्पति को दादीजी सुं आशीष पावां ऐ ।।
चालो पगां लागणी... ।। ३ ।।

''हर्ष'' कहवे श्रद्धा सुं मां के चरणां में झुक जावो ऐ,
जनमां की सेवा को मां सुं आशीष पावां ऐ ।।
चालो पगां लागणी... ।। ४ ।।

श्री राणी सती जी वन्दना

तर्ज : थारी आंख्याँ को यो काजल...

थारी झाँकी मां सतरंगी, थारी चुनड़ी लाल सुरंगी,
थारी मेहन्दी की माँ लाली, भगतां ने लागे चंगी,
म्हाने पल पल पल पल, थारी याद सतावे है,
थाने देखण तांई आंख्याँ भर भर आवे है ।। टेर ।।

थारी आँखड़ल्या में काजलिये की लीक सोवे है,
थारो हार हजारी मावड़ली मन म्हारो मोवे है,
हाथां में चुड़लो साजे, पैरां पायलड़ी बाजे,
थाने देख देख कर दादी, थारा बेटा छम छम नाचे ।। १ ।।

थारी झाँकी माही गजरां की भरमार है दादी,
थारो सुरगां सुं भी न्यारो यो दरबार है दादी,
थारि महिमा जग सु न्यारी, थाने ध्यावे दुनिया सारी,
म्हारी भी आस पुराद्यो, म्हाने सेवा दे द्यो थारी ।। २ ।।

थारो ''हर्ष'' थारी झाँकी पे, बलिहार है मैया,
म्हाने झुझणुं धाम बुलाओ, मनुहार है मैया,
थारी 'स्वाति' मंगल गावे, थारा मीठा भजन सुणावे,
थारी शरणां माही राखो, थारो हाथ दया को चावे ।। ३ ।।

श्री राणी सती जी वन्दना

तर्ज : अफसाना लिख रही हूँ...

दादीजी आओ थारा, मैं लाड लडाऊँगी,
थे पीडे उपर बैठो थारा चरण दबाऊँगी ।। टेर ।।

मेंहन्दी सुरंगी राचणी, ''मैं घोल के ल्याई माँ''-२,
थे दोनुं हाथ बढ़ाओ, थारा हाथ रचाऊँगी ।। १ ।।

मैं खन खन करती बाजणी, ''पैजनियां ल्याई माँ''-२,
थारा नाजुक पैर बढ़ाओ, पायल पहनाऊँगी ।। २ ।।

कोमल कलियां गूंथ कर ''मैं गजरो ल्यायी माँ''-२,
थारी सोणी सोणी झांकी, माँ आज सजाऊँगी ।। ३ ।।

आरी तारी सुं जड़ी ''थारी चुनड़ ल्याई माँ''-२,
थे घणे चाव सुं ओढ़ो, थाने ओढ़ाऊँगी ।। ४ ।।

थारी लाडो बेटी 'स्वाति' ''थारी बाट जोवे माँ''-२,
चरणां में ''हर्ष'' भवानी, मैं लुल लुल जाऊँगी ।। ५ ।।

श्री राणी सती जी वन्दना

तर्ज : अंजन की सीटी में म्हारो मन डौले...

दादी के दरबार में अमृत बरसे,
नाचो नाचो रे भगत थाने दादी निरखे ।। टेर ।।

प्यारो सो सिणगार सज्यो है बैठी है महामाई,
चाल झुंझणु से दादी जी कीर्तन मांही आई,
देखो देखो रे दादी जी होले होले मुलके ।।
दादी के दरबार... ।। १ ।।

दादी जी के स्वागत में मिल झूमो नाचो गावो,
भुआ भैणा चाची ताई ठुमका आज लगावो,
बैठी बैठी रे भगत थाने दादी हरखे ।।
दादी के दरबार... ।। २ ।।

'स्वाति' मीठा भजन सुणावे माँ की महिमा गावे,
''हर्ष'' कह्वे जो माँ ने ध्यावे माँ कि किरपा पावे,
गाओ गाओ रे दया के तांई दुनिया तरसे ।।
दादी के दरबार... ।। ३ ।।

श्री राणी सती जी वन्दना

तर्ज : आयो फाग उड़न रंग लाग्या...

दादी आज हिण्डोला घलाया,
झूलो म्हारी दादी माँ, थाने झुलावाँ हे मैया ।। टेर ।।

सावण भादो रिमझिम बरसे,
थाने झुलास्याँ मनड़ो हरखे,
भगतां की सुणल्यो मैया ।। १ ।।

तीजां को त्योहार मनावाँ,
दादी थारा लाड़ लड़ावाँ,
मनड़े की करद्यो मैया ।। २ ।।

बरखा की या रूत है सुहाणी,
झूलण की माँ रीत पुराणी,
मान म्हारो राखो मैया ।। ३ ।।

'स्वाति' झोटा देवण आई,
''हर्ष'' थारी लेवे है बलाई,
झूले पर बैठो मैया ।। ४ ।।

श्री राणी सती जी वन्दना

तर्ज : बस इतनी तमन्ना है...

दादी इतणो सो कर द्यो, थारी बेटी के सिर पे,
थे हाथ जरा धर द्यो ।। टेर ।।

सेवा में ले लीज्यो मन्ने ऐसो घर दीज्यो,
जीमे मंदिर हो थारो माँ ऐसो ही दर द्यो ।।
थे हाथ जरा धर द्यो... ।। १ ।।

सासु होवे स्याणी सुसरो होवे ज्ञानी,
जो पग पूजे थारा माँ ऐसो ही वर द्यो ।।
थे हाथ जरा धर द्यो... ।। २ ।।

थाने देखके मैं जागुं देख्याँ पाछे सोऊँ,
जठे ज्योत जगे थारी माँ ऐसो ही घर द्यो ।।
थे हाथ जरा धर द्यो... ।। ३ ।।

थांसु बोलुं बतलाऊँ मनड़े की कह पाऊँ,
थारी ''स्वाति'' के मन की माँ ''हर्ष'' कहवे कर द्यो ।।
थे हाथ जरा धर द्यो... ।। ४ ।।

श्री राणी सती जी वन्दना

तर्ज : तेरह पेड़यां उपर म्हारे श्याम को बंगलो...

दादी जी के मंदरिये में मोर नाचे,
घनाघन घंटा शंख नगाड़ा दर पे नोबत बाजे ।। टेर ।।

दादुर मोर पपीहो बोले मंदिरये के मांय,
देख देख भगतां की श्रद्धा दादीजी मुस्काय,
बैठयो सोचे कांई चाल रे भगतां के सागे ।।
घनाघन घंटा शंख... ।। १ ।।

झुझणुं की सेठाणी है दुनिया में मशहूर,
एकर जोभी जावे ओजुं जावेलो जरुर,
बो तो दादी जी की यादड़ली में रात्यु जागे ।।
घनाघन घंटा शंख... ।। २ ।।

''हर्ष'' बिराजे सती मण्ड में सतियां की सिरमोर,
दादी जी के हाथाँ मांही निज भगता की डोर,
मेरो आयो है बुलावो मन्ने अइयां लागे ।।
घनाघन घंटा शंख... ।। ३ ।।

श्री राणी सती जी वन्दना

तर्ज : दीनानाथ मेरी बात...

दिन रात सती मात थारो मंगल गाऊँ माँ,
थारी ही दया सुं दादी आगे बढ़ती जाऊँ माँ ।। टेर ।।

सेवा में लगाया मन्ने थारो उपकार है,
राणी सती दादी थारो साँचो दरबार है,
चरणा में नित थारे शीश झुकाऊँ माँ ।।
थारी ही दया सुं... ।। १ ।।

चोखा था करम मेरा किरपा होगी थारी,
थारे भजनां सु मन्ने जाणे दुनिया सारी,
घर घर जाके थारा भजन मैं गाऊँ माँ ।।
थारी ही दया सुं... ।। २ ।।

आँगली थे पकड़ी मेरी चरणां में बिठा लिया,
दादी जी थे लाडो बेटी 'स्वाति' ने बणा लिया,
''हर्ष'' सदा ही थारी किरपा युँ पाऊँ माँ ।।
थारी ही दया सुं... ।। ३ ।।

श्री राणी सती जी वन्दना

तर्ज : सांवली सूरत पे मोहन दिल दिवाना...

देखकर श्रृंगार दादी मैं ठगा सा रह गया,
सौ सका ना रात भर ही मैं जगा सा रह गया ।। टेर ।।

हाथों में मेहन्दी रची है, पाँवों में पायल बजे,
देखकर हाथों की लाली मैं ठगा सा रह गया ।।
देखकर श्रृंगार दादी... ।। १ ।।

माथे पे चुनड़ी सजी है, गोटे तारों से जड़ी,
देखकर चुनड़ी सुरंगी मैं ठगा सा रह गया ।।
देखकर श्रृंगार दादी... ।। २ ।।

फूलों के गजरे सुहाने, हर तरफ खुशबू उड़े,
देखकर दरबार दादी मैं ठगा सा रह गया ।।
देखकर श्रृंगार दादी... ।। ३ ।।

''हर्ष'' दुल्हन सी बनी है, पीढ़े पर बैठी है माँ,
देखकर ममता की मूरत मैं ठगा सा रह गया ।।
देखकर श्रृंगार दादी... ।। ४ ।।

श्री राणी सती जी वन्दना

तर्ज : क्या मागुँ जी मैं क्या मागुँ...

प्यार चाहुँ माँ दुलार चाहुँ,
दादी जी थारो प्यार चाहुँ ।। टेर ।।

तरस गयो माँ ममता ताईं सिरपे हाथ फिराओ,
सुत्योड़ी तकदीर भवानी मेरी आज जगाओ,
राज चाहुँ ना माँ पाट चाहुँ,
दादीजी थारो प्यार चाहुँ... ।। १ ।।

ईं दुनिया मे मन्ने दादी थारो एक सहारो,
मैं मूरख अज्ञानी हुँ माँ मतना मने बिसारो,
धन चाहुँ ना जागीर चाहुँ,
दादीजी थारो प्यार चाहुँ... ।। २ ।।

भोलो टाबर मायत ने माँ लागे भोत ही प्यारो,
भटक ना जाऊँ जग माया में हाथ पकड़ल्यो म्हारो,
शान चाहुँ ना मकान चाहुँ,
दादीजी थारो प्यार चाहुँ... ।। ३ ।।

''हर्ष'' करुं मैं थारी सेवा इतनों ही माँ चाहुँ,
जनम जनम तक दादीजी मैं थारा ही गुण गाऊँ,
रथ चाहुँ ना माँ कार चाहुँ,
दादीजी थारो प्यार चाहुँ... ।। ४ ।।

श्री राणी सती जी वन्दना

तर्ज : ग्यारस चानण की आई...

बरसां की आस पुराई, दादी जी घर में आई,
मेहन्दी मण्डावे घणे चाव सुं, भवानी...।। टेर ।।

चान्दी की प्याली मांही ''मेहन्दी घुलवाई जी''-२
पीडे पर बैठ भवानी ''हाथां मण्डाई जी''-२
मिलकर माँ भैणा सारी, माण्डे है बारी बारी,
हाथां रचावे घणे चाव सुं ।। १ ।।

मेहन्दी सुहाग की है, ''अमर निशानी जी''-२
मेहन्दी माण्डण की भक्तों, ''रीत पुराणी जी''-२
मुल्के है दादी म्हारी, लाग्यो है मेलो भारी,
हाथां रचावे घणे चाव सुं ।। २ ।।

करस्याँ सिंधारा माँ का, ''लाड लडावाँ जी''-२
हाथां में लाल सुरंगो, ''रंग चढ़ावाँ जी''-२
दादीजी हाथ मण्डावै, भगतां को मान बढ़ावे,
हाथां रचावे घणे चाव सुं ।। ३ ।।

''स्वाति'' के मन की दादी, ''आस पुराओ जी''-२
मेहन्दी राच्योड़ा सिरपे, ''हाथ फिराओ जी''-२
अर्जी माँ ''हर्ष'' लगावे, बस थारी किरपा चावे,
हाथां रचावे घणे चाव सुं ।। ४ ।।

श्री राणी सती जी वन्दना

तर्ज : दादी थारा टाबरिया थाने याद करे...

बेटी व्यावण सारू होगी महर करो,
किरपा को, दादी जी, सिर पे हाथ धरो ।। टेर ।।

सौलाह सवाई होगी माँ, चिन्ता भोत घणी,
श्री चरणां में दादीजी, अर्जी आज धरी,
बेगा सा, दादी जी, म्हारी चिन्ता हरो ।।
बेटी व्यावण सारू... ।। १ ।।

चोखो सो वर ढूढ़ द्यो, चोखो सासरियो,
याद कदे आवे नहीं, ईने पीहरियो,
खुशियाँ सुं, दादी जी, ऐंकी झोली भरो ।।
बेटी व्यावण सारू... ।। २ ।।

सैं क्युं थारे हाथ है, किरपा करियो आय,
''हर्ष'' थारी बेटी ने थे, दीज्यो मां परणाय,
द्यो जरा, दादी जी, थारो परचो खरो ।।
बेटी व्यावण सारू... ।। ३ ।।

श्री राणीसती जी वन्दना

तर्ज : बहुत प्यार करते है तुमको सनम...

महर चाहिये तेरी महर चाहिये,
किरपा की दादी नजर चाहिये ।। टेर ।।

परवाह नहीं जो रुठे जमाना,
पर तु कभी ना नजरें फिराना,
चरणों में तेरे, बसर चाहिये ।।
महर चाहिये तेरी... ।। १ ।।

सुख दुख हमारे तुम्ही से कहेंगे,
गुणगान तेरा गाते रहेगें,
तुम्हे बस हमारी, फिकर चाहिये ।।
महर चाहिये तेरी... ।। २ ।।

बच्चों को दादी निभाना पड़ेगा,
''हर्ष'' जरूरत में आना पड़ेगा,
दुआओ का इतना, असर चाहिए ।।
महर चाहिये तेरी... ।। ३ ।।

श्री राणी सती जी वन्दना

तर्ज : लोंग ग्वचा...

सज सौलह सिणगार भवानी,
बैठी है मोटी सेठाणी,
भगतां रे घर में आई रे,
माँ झुझणुं वाली ।। टेर ।।

गंगा जल सु चरण धुलाओ,
दादी जी का लाड लडाओ,
भगता रो मान बढ़ाई रे,
माँ झुझणुं वाली ।। १ ।।

खीर और पूड़ा भोग लगाओ,
दादी जी के चंवर ढुलाओ,
भगतां सुं प्रीत निभाई रे,
माँ झुझणुं वाली ।। २ ।।

घणी राचणी मेहन्दी ल्याओ,
दादी जी का हाथ रचाओ,
भगतां सुं प्रेम बढ़ाई रे,
माँ झुझणुं वाली ।। ३ ।।

दादी ने चुनड़ी ओढ़ाओ,
''हर्ष'' कह्वे क्युं देर लगाओ,
भगतां री आस पुराई रे,
माँ झुझणुं वाली ।। ४ ।।

श्री राणी सती जी वन्दना

तर्ज : सत्यम शिवम सुन्दरम...

दोहा : दादी दुर्गा है, दादी लक्ष्मी है, दादी काली है ।
लेले दादी शरणा, तेरी रोज दिवाली है ।।

ले ले दादी शरणम्,
मां वरदानी है, मोटी सेठानी है,
सतियों की रानी है ।। टेर ।।

अटल क्षत्र में राज है इनका ये है जग की पालक,
बड़ी दयालु है मेरी जननि-२, हम सब इनके बालक,
करती सदा मंगलम् ।। १ ।।

साँचे मन से जो भी ध्याये उसको गले लगाती,
बच्चों की विपदा में दादी-२, पलमें दौड़ी आती,
हाजिर खड़ी हरदम ।। २ ।।

''हर्ष'' कहे जो शरण में आया उसको नहीं बिसारा,
चरण पकड़ले माँ का बंदे-२, हो जाये भव पारा,
मिट जायेगें सारे गम ।। ३ ।।

श्री राणी सती जी वन्दना

तर्ज : सर्व सुहागण मिल...

हाथ बढ़ाओ थारा राणीसती मैया,
सोणा सोणा हाथ रचास्यां जी दादी जी ।। टेर ।।

हरी हरी मेहन्दी आज घुलाई,
चावसुं हाथ मण्डास्यां जी दादीजी ।।
हाथ बढ़ाओ थारा... ।। १ ।।

लाल कसुमल रच जावेली,
निरख निरख सुख पास्यां जी दादी जी ।।
हाथ बढ़ाओ थारा... ।। २ ।।

प्रेम भाव सुं म्हें माण्डण आया,
थारो आशीष पास्यां जी दादी जी ।।
हाथ बढ़ाओ थारा... ।। ३ ।।

''स्वाति'' भजन सुणावण आई,
''हर्ष'' थारा गुण गास्यां जी दादी जी ।।
हाथ बढ़ाओ थारा... ।। ४ ।।

श्री राणी सती जी वन्दना

तर्ज : अपने दिल का हाल...

हाथां में मेहन्दी दादी माण्डण आया हाँ,
हथेल्यां ने सोणी सी रचावण आया हाँ ।। टेर ।।

दादी म्हारे घर में आई सैंके मन में खुशियां छाई,
मंगल गीत सुणास्यां मिलके दादी के स्वागत के मांही,
दादी जी ने आज रिझावण आया हाँ ।।
हथेल्यां ने सोणी सी... ।। १ ।।

सोणा सोणा हाथ रचावां दादी जी का लाड लड़ावाँ,
दादी जी की हथेल्यां में घणे प्रेम सुं चोपा लगावाँ,
दादी जी सुं प्रीत निभावण आया हाँ ।।
हथेल्यां ने सोणी सी... ।। २ ।।

दादी होले होले मुलके सगला मां को मुण्डो निरखे,
मैया के आणे की खुशियाँ भगतां की आंख्याँ से झलके,
''हर्ष'' चरण में धोक लगावण आया हाँ ।।
हथेल्यां ने सोणी सी... ।। ३ ।।

श्री राणी सती जी वन्दना

तर्ज : अपणे दिल का हाल....

होली थाने माँ म्हे खिलावण आया हाँ,
चरणां माही शीश झुकावण आया हाँ ।। टेर ।।

पलक उघाड़ो टाबर आया भर पिचकारी सागे ल्याया,
थां संग होली खेलागां माँ रंग अबीर म्हे भर भर ल्याया,
मुखड़े पे गुलाल लगावण आया हाँ ।।
चरणां माही शीश... ।। १ ।।

टाबरिया संग होली खेलो हाथ दया को सिर पे मेलो,
भूल चूक की माफी दीज्यो शरणां मांही थारे लेल्यो,
महिमा थारी आज म्हे गावण आया हाँ ।।
चरणां माही शीश... ।। २ ।।

''हर्ष'' भवानी थांसु कह्वां फागण में दीज्यो थे सेवा,
थारी चुनड़ी ने दादी जी केशरिया रंग सु रंग देवां,
अरजी चरणां थारे माँ लगावण आया हाँ ।।
चरणां माही शीश... ।। ३ ।।

श्री राणी सती जी वन्दना

तर्ज : होऽऽ ताली बाजवण दे...

हो मंगल दादी को, अरर्र मंगल दादी को,
ल्यो करल्यो-२ सगला आज यो मंगल दादी को ।। टेर ।।

ढ़ोल नगाड़ा बाजण द्यो,
ल्यो छम छम -२ नाचो आज है मंगल दादी को ।।
हो मंगल दादी को... ।। १ ।।

दादी आज पधारी है,
ल्यो खुल गई-२ है तकदीर यो मंगल दादी को ।।
हो मंगल दादी को... ।। २ ।।

मन सुं आज रिझावागां,
ल्यो सज गयो-२ है दरबार यो मंगल दादी को ।।
हो मंगल दादी को... ।। ३ ।।

''स्वाति'' मंगल गावे है,
ल्यो ''हर्ष'' करे-२ गुणगान यो मंगल दादी को ।।
हो मंगल दादी को... ।। ४ ।।

श्री गऊ माता वन्दना

तर्ज : आजा रे सांवरिया हमे तेरा ही...

आजा रे नन्द लाला हमे तेरा ही सहारा,
गइया ने पुकारा तेरी गईया ने पुकारा ।। टेर ।।

द्वापर युग में हम गउओं का तुही था रखवाला,
बड़े लाड़ से ओ नटनागर तुमने हमको पाला,
कलयुग में क्युं तूने हमें भूला है बिसारा ।।
गइया ने पुकारा... ।। १ ।।

राजनीति होती दुनिया में अब तो नाम पे मेरे,
मुझको माता कहने वाले मुझसे ही मुँह फेरे,
एक आसरा हमको ओ सावंरिये तुम्हारा ।।
गइया ने पुकारा... ।। २ ।।

तेरी गइया तरस रही है आजा कण्ठ लगाले,
''हर्ष'' कहे जल्लादो से तु हमको आज बचाले,
समझ सको तो समझो हम गउओं का इशारा ।।
गइया ने पुकारा... ।। ३ ।।

श्री गऊ माता वन्दना

तर्ज : थाली भर कर ल्याई खीचड़ो...

इठलाती रम्भाती घूमे, गौशाला में गाय रे,
चारा चरती दूध की देखो, नदिया भरती जाये रे ।। टेर ।।

दूध पिलाकर अपना हमको, बलशाली कर देती है,
उपकारों के बदले में माँ, हमसे कुछ ना लेती है,
हाथ फिराओ माथे पे तो, पूँछ हिलाती जाये रे ।।
चारा चरती दूध की... ।। १ ।।

आर्युवेद में मुत्र गऊ का, रोगों में उपयोगी है,
निश दिन जिसका सेवन करते, कष्टों के जो भोगी है,
बड़े प्यार से निज बछड़े को, जीभ से चाटती जाये रे ।।
चारा चरती दूध की... ।। २ ।।

गोबर के उपलों को हमने, इंधन में व्यवहार किया,
''हर्ष'' उसी से गैस बनाकर, रोशन ये संसार किया,
बहुमुखी गौ माता सबके, कितने काम ये आये रे ।।
चारा चरती दूध की... ।। ३ ।।

श्री गऊ माता वन्दना

तर्ज - ओ बाबुल प्यारे...

ओ कान्हा आSSS रे, जिसे मैने पोसा पाला,
उसी ने विपदा में डाला, बचाले आके गोपाला ।। टेर ।।

दूध छुड़ाकर निज बछड़े का, जिनको में दूध पिलाऊँ,
उनके ही हाथों बूचड़ खाने, आज मैं भेजी जाऊँ,
मुझको माता कहते जो, मेरा दर्द न समझे वो,
करदे आके तु कोई जतन ।। १ ।।

पाप किया क्या मैने बतादे, जिसकी सजा मैं पाती,
तड़प-तड़प कर तेरी गइया, अपने क्युँ प्राण गंवाती,
ममता बेबस है प्यारे, आजा करुणा दिखला रे,
रो रो भीगे है मेरे नयन ।। २ ।।

मेरे ही खातिर ग्वाले बने तुम, द्वापर में मेरे कन्हाई,
''हर्ष'' दुबारा आन सम्भालो, सुनले तु मेरी दुहाई,
बनकर गोकुल का ग्वाला, बन जा मेरा रखवाला,
ले ले मुझको तुं अपनी शरण ।। ३ ।।

श्री गऊ माता वन्दना

तर्ज : लो आ गई उनकी याद...

ओ साँवरे आ हमें दे शरण तेरी ।। टेर ।।

अमृत पिला के अपना, जिनकों है मैने पाला,
लाचार जब हुई तो, घर से मुझे निकाला,
इस मतलबी जहां ने, मुझसे है आँख फेरी ।।
ओ साँवरे आ हमें.. ।। १ ।।

मुझको तो कर दिया है, शैतान के हवाले,
सुनके पुकार आजा, आके मुझे बचाले,
कहीं देख हो न जाये, आने में तुझको देरी ।।
ओ साँवरे आ हमें.. ।। २ ।।

मेरे बने कन्हैया, द्वापर में तुम सहारा,
कलयुग में अब बता दे, मुझको है क्युं बिसारा,
कहे ''हर्ष'' हाथ तेरे, कान्हा है लाज मेरी ।।
ओ साँवरे आ हमें.. ।। ३ ।।

श्री गऊ माता वन्दना

तर्ज - मोरिया

कन्हैया रो-रो बुलावे तेरी गाय रे,
तु आजा तेरे बिना पीड़ मिटावे कूण कन्हैया ।। टेर ।।

कन्हैया, तेरे सिवा ना दूजो देखले,
तू आजा तेरे बिना लाड़ लड़ावे कूण कन्हैया ।।
रो-रो बुलावे तेरी गाय रे... ।। १ ।।

कन्हैया, द्वापर की आवे मने याद रे,
तु आजा फेरूं मन्ने गले लगाले आज कन्हैया ।।
रो-रो बुलावे तेरी गाय रे... ।। २ ।।

कन्हैया, तड़पण के तांई कइयां छोड़ दी,
तु आजा झुर झुर रोवे गईयां तेरी देख कन्हैया ।।
रो-रो बुलावे तेरी गाय रे... ।। ३ ।।

कन्हैया, आँसुड़ा ढलके मेरी आँख सुं,
तु आजा ''हर्ष'' पोंछे दे आँसु आके आज कन्हैया ।।
रो-रो बुलावे तेरी गाय रे... ।। ४ ।।

श्री गऊ माता वन्दना

तर्ज : अखियों के झरोखे से...

करुणा निधि आ जाओ, करुणा दिखला जाओ,
मेरी लाज बचा जाओ, मेरी लाज बजा जाओ ।। टेर ।।

छुप छुप के मेरे सांवरे तेरी गईयां रोती है,
आजा तेरे चरणों को ये आंसुओं से धोती है,
इक तुही तो मेरा है, दुनिया को बता जाओ,
मेरी लाज बचा जाओ... ।। १ ।।

इक तेरे सिवा आज मेरी कौन सुनेगा,
रक्षक मेरा बस तेरे सिवा कौन बनेगा,
इक बार प्रभु फिर से, मेरे रक्षक बन जाओ,
मेरी लाज बचा जाओ... ।। २ ।।

माँ कहते मुझे लोग मेरी पूजा करे है,
उनके ही हाथों ''हर्ष'' तेरी गईयां क्युं कटे है,
बिन मौत मुझे मोहन, मरने से बचा जाओ,
मेरी लाज बचा जाओ... ।। ३ ।।

श्री गऊ माता वन्दना

तर्ज - दिल ही दिल में ले लिया मेहरबानी...

क्या कहुँ क्या क्या सहे हैं, दुखड़े मैंने सांवरे,
अब सहा न जाये मोहन, आके दामन थाम रे ।। टेर ।।

घूमती हुँ दर बदर मैं, भूख से बेहाल हूँ,
चिलचिलाती धूप गहरी, सिर पे ना कोई छांव रे ।।
क्या कहुँ क्या... ।। १ ।।

कौंधती बिजली फलक पे, गड़गड़ाते मेघ हैं,
बारिशों में भींगती हुँ, ना मेरा कोई ठाँव रे ।।
क्या कहुँ क्या... ।। २ ।।

प्यार के बदले यहाँ पे, मुझको रुसवाई मिली,
गिन सको तो गिनलो आके, ''हर्ष'' मेरे घाव रे ।।
क्या कहुँ क्या... ।। ३ ।।

श्री गऊ माता वन्दना

तर्ज : दिल ऐसा किसी ने मेरा तोड़ा...

कोई देखले रे आँसु मैं बहाऊँ,
ना सुने है कोई किसको सुनाऊँ,
जख्मो से भरा ये सीना,
जमाने को चीर दिखाऊँ ।। टेर ।।

जरा सुनलो ये गईया पुकारती,
बड़ी हसरत से रस्ता निहारती,
मैं दिल की बातें किसको बताऊँ ।।
ना सुने है कोई... ।। १ ।।

मेरी सुनके भला कौन आयेगा,
कौन मेरे ये दुखड़े मिटायेगा,
कोई कहदे जाके किसको बुलाऊँ ।।
ना सुने है कोई... ।। २ ।।

''हर्ष'' करुणा दिखाने आ भी जा,
इस मुसीबत से मुझको बचा भी जा,
क्युँ बिना मौत मैं मारी जाऊँ ।।
ना सुने है कोई... ।। ३ ।।

श्री गऊ माता वन्दना

तर्ज : हुस्न पहाड़ो का...

गईया पुकारे है कान्हुड़ा तेरी गईया पुकारे है,
ये साँसे ओ मेरे गिरधर अब हाथ तुम्हारे है ।। टेर ।।

बहुत सहा अब आके सम्भालो,
विपदाओं से नाथ बचालो,
दुख के भंवर से आज निकालो,
झूठे सहारे हैं जहाँ के सारे झूठे सहारे हैं ।।
ये साँसे ओ मेरे गिरधर... ।। १ ।।

टूट चुकी हुँ दुखड़े मैं सह के,
तड़प रही हुँ मै रह रह के,
आजा पुकारे आसुँ बह बह के,
अपने ही मारे है मुझे तो मेरे अपने ही मारे हैं ।।
ये साँसे ओ मेरे गिरधर... ।। २ ।।

देर करो ना जल्दी आओ,
गउओ के पालक बन जाओ,
''हर्ष'' तुम्ही गोपाल कहाओ,
हाथ पसारे हैं तुम्हारे आगे हाथ पसारे हैं ।।
ये साँसे ओ मेरे गिरधर... ।। ३ ।।

श्री गऊ माता वन्दना

तर्ज : बरसां सुं यो दिन आयो...

गउओं की सेवा करले, भव से तु पार उतर ले,
जीवन सफल हो तेरा बावरे ।। टेर ।।

बूढ़ी गइयों की बंदे, ''सेवा ही पूजा है-२'',
घर से ना उसे निकालो-''उसका ना दूजा है-२''
तन मन सेवा में लगा रे, देगी आशीष प्यारे,
जीवन सफल हो तेरा बावरे ।। १ ।।

लंगड़ी लूली गइयों को, ''गौ साला भेजो जी-२''
गौ धन ही सच्चा धन है, ''इसको सहेजो जी-२''
चेता करले तु भाई, करले तु नेक कमाई,
जीवन सफल हो तेरा बावरे ।। २ ।।

गउओं की सेवा करते, ''वो तो निराले हैं-२'',
''हर्ष'' जहाँ में वो तो, ''किस्मत वाले है-२'',
तेरा वो कर्ज उतारे, वैतरणी पार उतारे,
जीवन सफल हो तेरा बावरे ।। ३ ।।

श्री गऊ माता वन्दना

तर्ज : अंगना धुलाओ...

जग से है न्यारी, गउएं हमारी,
प्यार करो इन्हें लाड लडाओ,
सर्व सुख कारी, गौ माता प्यारी,
प्यार करो इन्हें लाड लडाओ ।। टेर ।।

मैया मेरी मंगल कारी है, सबकी पालन हारी है,
मेरी गउंओ का सानी न दूजा,
इनमें देव सभी, ना बिसराओ कभी,
बन्दे इनकी करो तुम पूजा,
गौशाला जाओ, चारा खिलाओ।। प्यार करो... ।। १ ।।

इनको रोटी खिला, गुड़ का दलिया बना,
मेरी गईया को दलिया है भाये,
जल से कुण्ड भरो, इनको तृप्त करो,
कहीं प्यासी कभी न रह जाये,
सेवा में आओ, खुद को लगाओ।। प्यार करो... ।। २ ।।

गऊ का मान करो, गऊ का दान करो,
अपना आगे का रस्ता बना ले,
माँ उद्धार करे, भव से पार करे,
इनकी सेवा में जीवन लगाले,
''हर्ष'' सहलाओ, सब सुख पाओ।। प्यार करो... ।। ३ ।।

श्री गऊ माता वन्दना

तर्ज - मुझे तेरी मोहब्बत का...

जवानी में मुझे पाला बुढापे में निकाला है,
भटकती मैं फिरुं दर दर न खाने को निवाला है ।। टेर ।।

था दमखम जब तलक मुझमें, बहाई दूध की धारा,
बुढ़ापे ने ज्युं दस्तक दी, गया थन सूख अब सारा,
कोई अब हाल ना पूछे, किसी ने ना सम्भाला है ।। १ ।।

फिरूं भूखी भटकती मैं, न भोजन है न चारा है,
जहाँ जो भी मिला मुझको, वहीं मुँह मैंने मारा है,
मेरे अपनों ने ही मुझको, मुसीबत में युं डाला है ।। २ ।।

मुझे माता जो कहते थे, कहाँ गुम हो गये सारे,
भुला मुझको क्यूं बैठे है, मेरी वो आँख के तारे,
''हर्ष'' सोचो जरा उनको, कभी मैने ही पाला है ।। ३ ।।

श्री गऊ माता वन्दना

तर्ज : मेरा आप की कृपा से...

दुखड़े गिने ना कोई, किसको मैं जा गिनाऊँ,
दुःख देखता ना कोई, किसको मैं जा दिखाऊँ ।। टेर ।।

जज्बात की जहाँ में, किसने कदर है जानी,
हर कोई कर रहा है, मुझसे ही बेईमानी,
मैं चोट ये जिगर की, लेकर कहाँ पे जाऊँ ।।
दुखड़े गिने ना कोई... ।। १ ।।

ऐ राज करने वालों, मेरी तरफ भी देखो,
ममता बिलख रही है, कुछ तो जरा सा सोचो,
बेटों के हाथों मैं क्युं, दुनिया में बेची जाऊँ ।।
दुखड़े गिने ना कोई... ।। २ ।।

फरियाद कर रही हुँ, सुनता नहीं है कोई,
अपनों के ही सितम से, मैं थर थराई रोई,
कहे ''हर्ष'' दिल की पीड़ा, किसको में जा बताऊँ ।।
दुखड़े गिने ना कोई... ।। ३ ।।

श्री गऊ माता वन्दना

तर्ज : सह ना सकुं अब दर्द...

बचाले मुझे कान्हा, रो रो पुकारती,
गईया तेरी तेरा, रस्ता निहारती ।। टेर ।।

माता हूँ मैं ये किसे, कितना विश्वास है,
कोड़ियों में बिकती हुं मैं, किसे अहसास है,
थाम ले जरा आके, बाँहे पसारती ।।
बचाले मुझे कान्हा... ।। १ ।।

तेरे होते गाय तेरी, दुखड़े क्युं पा रही,
भूखी भटकती फिरे, ठोकरे क्युं खा रही,
दुखड़ों में दिन तेरी, गइया गुजारती ।।
बचाले मुझे कान्हा... ।। २ ।।

आयेगा तु रक्षा करने, पुरा विश्वास है,
''हर्ष'' टिकी है तुझपे, कान्हा मेरी आस है,
आंसुओं से मैं तेरी, राहें बुहारती ।।
बचाले मुझे कान्हा... ।। ३ ।।

श्री गऊ माता वन्दना

तर्ज : वो दिल कहाँ से लाऊँ...

मेरा कसूर क्या है मुझको ना ये पता है,
तुझको है मैंने पाला क्या यहीं मेरी खता है ।। टेर ।।

अपने लहु से मैंने, तेरी जिन्दगी संवारी,
तेरे ही आगे तड़पे, गौ माता ये बेचारी,
जीते जी क्युँ बना दी, तूने मेरी चिता है ।।
मेरा कसूर क्या है... ।। १ ।।

औलाद के लिये तो, ममता सदा ही रोवे,
तेरा भी है कोई तो, तु भी किसी का होवे,
क्युं सोचता नहीं फिर, तु भी तो इक पिता है ।।
मेरा कसूर क्या है... ।। २ ।।

तेरी ही इन रगो में, मेरा दूध ही तो दौड़े,
किसके भरोसे बेटे, विपदा में मुझको छोड़े,
क्या ''हर्ष'' कर रहा तु, कुछ भी तुझे पता है ।।
मेरा कसूर क्या है... ।। ३ ।।

श्री गऊ माता वन्दना

तर्ज - लिखने वाले तु लिखदे किस्मत...

मोहन आजा रे बनके तु मेरा खेवनहार,
तेरा भरोसा मुझको तेरा आधार ।। टेर ।।

रोती ममता तुझे पुकारे है, लाज मेरी अब तेरे सहारे है,
जगवालों से कोई आस नहीं, पीड़ा का उनको आभास नहीं,
पत्थर के पुतले मेरा करते संहार ।।
मोहन आजा रे... ।। १ ।।

बच्चे सबको जान से प्यारे हैं, मेरे बछड़ो को क्युं मारे है,
कहदो उनसे क्या अपराध हुआ, दया करो तुझे मैंने याद किया,
जालिम दुनिया क्या जाने होता क्या प्यार ।।
मोहन आजा रे... ।। २ ।।

जो भी मुझको मार गिरायेगा, वैतरणी कैसे तर पायेगा,
इक दिन दुनिया छोड़के जायेगा, कैसे तुझको मुँह दिखलायेगा,
''हर्ष'' कन्हैया ये है दिल के उद्‌गार ।।
मोहन आजा रे... ।। ३ ।।

श्री गऊ माता वन्दना

तर्ज - ऐ मेरे दिल नादां...

मैं माँ हुँ तेरी बेटे, क्युं मुझको बिसारा है,
तु खोल जरा आँखे, गौ माँ ने पुकारा है ।। टेर ।।

लगता है तु भूल गया, तुझे याद दिलाती हूँ,
मेरे दूध से ही प्यारे, तेरा वंश चलाती हूँ,
तुझे हष्ट पुष्ट करके, जीवन को संवारा है ।।
मैं माँ हुँ तेरी बेटे... ।। १ ।।

अब चेत जरा सा तु, मत बन रे अभिमानी,
इक दिन तो खतम होगी, तेरी भी ये जिन्दगानी,
नेकी तजके क्युं बदि, करने पे उतारा है ।।
मैं माँ हुँ तेरी बेटे... ।। २ ।।

माता को दुख देकर, तु भी न सुखी होगा,
अपनों से ही खायेगा, इक दिन तु भी धोखा,
अन्याय प्रभु को कभी, ना ''हर्ष'' गंवारा है ।।
मैं माँ हुँ तेरी बेटे... ।। ३ ।।

श्री गऊ माता वन्दना

तर्ज : मैं ढूंढता हूँ जिनको...

लाचार हो चुकी हुँ, सुझे न कुछ भी कान्हा,
गर प्यार है जरा सा, आकार मुझे बचाना रे ।। टेर ।।

अभागी हुँ मैं बस मेरी, फकत इतनी कहानी है,
मेरे है दूध आंचल में, मगर आंखों में पानी है,
अब हो सके तो मेरी, सुनके तु आ भी जाना रे ।।
लाचार हो चुकी हुँ... ।। १ ।।

बड़ी मजबूर हुँ मोहन, करुँ क्या आज मैं हाय,
मेरे दम पे जो इतराये, मुझे वो मार कर खाये,
उपयोग मेरा करता, जालिम है ये जमाना रे ।।
लाचार हो चुकी हुँ... ।। २ ।।

दुआ ये आखिरी मेरी, मुझे हक जीने का दे दो,
करे छलनी ना दिल मेरा, जरा दुनिया से ये कह दो,
मैं ''हर्ष'' माँ हुँ मुझको, सम्मान तु दिलाना रे ।।
लाचार हो चुकी हुँ... ।। ३ ।।

श्री गऊ माता वन्दना

तर्ज : मेरा जीवन कुछ काम न आया...

श्याम सम्भालो गऊ बुलाये,
मण्डी में वो बिकने जाये ।। टेर ।।

बदल गये रे अपने, विपदा में मुझको है छोड़ा,
प्यार लुटाया जिसपे, मुखड़ा उसी ने है मोड़ा,
हर इक सहारा छुटा, तेरे सहारे बैठी,
आस लगाये... ।। १ ।।

तेरे सिवा ना दूजा, रक्षक जहाँ में हमारा,
आखिर दयालु तुमको, मजबूर माँ ने पुकारा,
तेरे ही रहते मोहन, गइया अकेली जग में,
क्युं कहलाये... ।। २ ।।

तुझसे ही अब तो मेरी, आस की डोर बंधी है,
''हर्ष'' दुलारी तेरी, क्युँ कमजोर बड़ी है,
हाथ फिरादे आके, अब तु हमारे सिर पे,
अर्ज लगाये... ।। ३ ।।

श्री गऊ माता वन्दना

तर्ज : सुन सांवरे तेरे ही भरोसे...

सुन सांवरे तेरे ही भरोसे मेरी लाज रे,
रो रो पुकारूँ सुनले मेरी तु आवाज रे ।। टेर ।।

द्वापर में तूने मुझे, गले से लगाया,
पूछे है गईया अब क्युं, मोहे बिसराया,
गौ धन पे हरदम रहता, तुझको तो नाज रे ।।
सुन सांवरे तेरे ही भरोसे... ।। १ ।।

बन करके रक्षक मेरा, जल्दी से आ रे,
जालिम जहाँ से मुझे, आके बचा रे,
मुझपे पड़ी है देखो, दुखड़ो की गाज रे ।।
सुन सांवरे तेरे ही भरोसे... ।। २ ।।

दुख की घड़ी में कान्हा, किसको पुकारूँ,
आस में तेरी अपने, दिन ये गुजारूँ,
''हर्ष'' लुटेगी तेरी, गईया ये आज रे ।।
सुन सांवरे तेरे ही भरोसे... ।। ३ ।।

श्री गऊ माता वन्दना

तर्ज : हनुमान को खुश करना...

हस्ती तेरी ना होती, जो माँ नहीं होती,
भव पार ना होता जो, गौ माँ नहीं होती ।। टेर ।।

माता ने जनमा है, गौ माँ ने पाला है,
तेरे लिये छीना, बछड़े का निवाला है,
बच्चों से खिलाफत इतनी, आसां नहीं होती ।।
भव पार ना होता जो... ।। १ ।।

जीते जी साथ है, मरने के बाद है,
गौधन से ही सारी, दुनिया आबाद है,
अपने लिये तो उसको, कोई चाह नहीं होती ।।
भव पार ना होता जो... ।। २ ।।

बछड़े बड़े होकर, बड़े काम आते हैं,
खेतों में जुत करके, वो हल चलाते हैं,
कहे ''हर्ष'' उन्हे मौसम की, परवाह नहीं होती ।।
भव पार ना होता जो... ।। ३ ।।

श्री गऊ माता वन्दना

तर्ज : अफसाना लिख रही हूँ...

है धन्य तुम्हारा जीवन, इस लायक बना लिया,
गौ माता की सेवा में बन्दे, खुद को रमा लिया ।। टेर ।।

वेदों ने सब जीवों में ''जिसे उत्तम माना है''-२
उस माता के चरणों में, तुने खुद को बिठा लिया ।।
गौ माता की सेवा में बन्दे... ।। १ ।।

गऊओं के अन्दर सारे ''देवों का वास है''-२
तुझे पता नहीं है तूने, ठाकुर को रिझा लिया ।।
गौ माता की सेवा में बन्दे... ।। २ ।।

अपने गिरधर गोपाल को ''गुउएं बड़ी प्यारी है''-२
उस मोर मुकुट वाले को, तूने अपना बना लिया ।।
गौ माता की सेवा में बन्दे... ।। ३ ।।

धन से ना कर सके तो ''तनमन से सेवा कर''-२
सेवा का ''हर्ष'' समझले, तूने बीड़ा उठा लिया ।।
गौ माता की सेवा में बन्दे... ।। ४ ।।

श्री श्याम वन्दना

तर्ज : इक प्यार का नगमा है...

अब आन मिलो मोहन, तनहाई नहीं जाती,
अब और कहीं ठोकर, प्रभु खाई नहीं जाती ।। टेर ।।

इस मर्ज की कौन बता, मुझे दवा पिलायेगा,
वो जादु भरी ऊँगली, बालों में फिरायेगा,
जो टीस उठे दिल मे, वो दबाई नहीं जाती ।।
अब और कहीं ठोकर... ।। १ ।।

मिलने को व्याकुल हुँ, मिल जाओ मेरे ठाकुर,
तेरे दर्शन को कान्हा, मेरे नैना है आतुर,
जो याद तेरी आती, वो भुलाई नहीं जाती ।।
अब और कहीं ठोकर... ।। २ ।।

कहे 'हर्ष' ये दर्द प्रभु, अब सहन नहीं होता,
ये बोझ जुदाई का, अब वहन नहीं होता,
जो पीड़ जिया में उठे, वो दिखाई नहीं जाती ।।
अब और कहीं ठोकर... ।। ३ ।।

श्री श्याम वन्दना

तर्ज : फंसी भंवर में थी मेरी नैया...

अरे दयालु मेरा गुजारा चलाये तेरे ही चल रहा है,
मजे से दाता परिवार मेरा तेरी दया से ही पल रहा है ।।

मैं जानता मैं कुछ भी नहीं हुं, पकड़ कलाई तुम्ही चलाते,
पड़ा था सोया मेरा नसीबा, तेरी दया से बदल गया है ।।
अरे दयालु मेरा... ।। १ ।।

मुझे मिलेगी तुम्हारी सेवा, कभी ये मैने सोचा नहीं था,
गिरता रहा था बेटा तुम्हारा, तेरी दया से सम्भल गया है ।।
अरे दयालु मेरा... ।। २ ।।

मेरे हो तुम तो मेरे रहोगे, ''हर्ष'' भरोसा इतना है मुझको,
सही डगर पे जीवन ये मेरा, तेरी दया से निकल पड़ा है ।।
अरे दयालु मेरा... ।। ३ ।।

श्री श्याम वन्दना

तर्ज : घूमर ''पद्मावत''

आओ जी म्हारा सांवरिया सरकार,
पधारो म्हारा सांवरिया सरकार,
आज्यो-३ बाबा बेगा सा थे आज्यो,
सलूणां म्हारा बेगा सा थे आज्यो,
पलक विछायां बैठ्या हाँ म्हे थारी बाट उड़ीकां,
लीले चढ़ कर बेगा आओ बैठ्या थाने डीकां, म्हारा,
खाटु हाला श्याम रस्तो जोवां -४, रस्तो जोवां रे ।।
म्हे हां थारा, थे हो म्हारा, बेगा आओ हेलो मारां,
कैंया बाबा देर लगाई, बाट निहारे बेटा थारा,
खाटु हाला श्याम रस्तो -४, रस्तो जोवां रे ।। टेर ।।

थारे टाबरियां ने बाबा आस घणी है थारी,
भूल बिसर क्युँ बैठ्या इब तो आके सुध ल्यो म्हारी,
आओ म्हारा पावणां, करां थारी ध्यावना,
डीकत डीकत पथराई जी आँखड़ल्या घनश्याम, म्हारा
खाटु हाला श्याम रस्तो जोवां जोवां जोवां जोवां,
रस्तो जोवां रे ।। १ ।।

भूल चूक की माफी दीज्यो म्हे हां टाबर याणा,
म्हारी भूलां ने बिसराओ थे हो मायत स्याणा,
देर क्युं लगाई, आख्यां भर आई,
''हर्ष'' दयालु समझो म्हारा थे जज्बात, म्हारा,
खाटु हाला श्याम रस्तो जोवां जोवां जोवां जोवां,
रस्तो जोवां रे ।। २ ।।

श्री श्याम वन्दना

तर्ज : आज से मेरी ... (फिल्म पैडमैन)

आज से मेरा ये जीवन तेरा हो गया,
तु हुआ मेरा मैं तेरा हो गया,
आज से मेरा हर सपना तेरा हो गया,
आज से कान्हा मेरा अपना हो गया,
तेरी करुणा का जो जल है, तेरी तुलसी का जो दल है,
तेरी भक्ति में जो बल है, आज से मेरा हो गया,
मेरे दुखड़ो का अम्बर, मेरी चिन्ता का सागर,
तेरे चरणों को छूकर, आज से तेरा हो गया ।। टेर ।।

तेरे चरणों की धूली को माथे तिलक लगाके घुमुगां,
तेरी पावन सी चौखट पे मैं ध्यान लगाके बैठुंगा,
तेरे बेटे की भूलों को ना दिल से तु लगा लेना,
तेरी प्यारी सी सूरत को मैं अपने मन में बिठा लुंगा,
बस मुझे युंही ऐ श्याम मेरे तु सदा बुला लेना,
आज से मेरी ये दुनिया तेरी हो गई,
आज से तेरा दर मेरा हो गया ।। १ ।।

मैं लाउँ चुन-चुन के कलियां सजाऊं हाथों से छलिया,
इजाजत हो तो महका दुं मैं अन्तर केशर से गलियां,
तेरी मैं चंवर ढुलाऊँगा तुझे हाथों से खिलाऊँगा,
सुरील मीठे भजनों से तुझे मैं श्याम रिझाऊँगा,
बस ''हर्ष'' जरा ऐ श्याम मेरे तु मुस्कुरा देना,
आज से मेरी सारी खुशियां तेरी हो गई,
आज से मेरा गम तेरा हो गया ।। २ ।।

श्री श्याम वन्दना

तर्ज : अफसाना लिख रही हूँ...

आडम्बर में ही बाबा जब सबका ध्यान हो,
कैसे बता फिर सांवरिया तेरा गुणगान हो ।। टेर ।।

दूजे से अच्छा करने की ''यहाँ होड़ सी मची''-२,
खुद को ऊंचा रखने की जहाँ झूठी शान हो ।।
कैसे बता फिर... ।। १ ।।

मुँह देखकर के लगता, ''टीका जहां माथे पर''-२,
हकदार भले ही ना हो फिर भी सम्मान हो ।।
कैसे बता फिर... ।। २ ।।

भीतर जब सारे खा रहे, ''चटखारे ले लेकर''-२,
बाहर में इक भूखे के जब अटके प्राण हो ।।
कैसे बता फिर... ।। ३ ।।

भजनो के बीच खाते जो, ''झूठी कसमे तेरी''-२,
जब ''हर्ष'' उन्हें मर्यादा का बिल्कुल ना ज्ञान हो ।।
कैसे बता फिर... ।। ४ ।।

श्री श्याम वन्दना

तर्ज : जिसको तेरा भरोसा...

इस दीन पे करम तुम कब तक करोगे दाता,
मुझे कैद से रिहा तुम कब तक करोगे दाता ।। टेर ।।

मेरा दोष मेरे मालिक कितना बड़ा बतादे,
बाकी बची है मेरी कितनी सजा बता दे,
मुझे माफ मेरे ठाकुर कब तक करोगे दाता ।।
इस दीन पे करम... ।। १ ।।

बरसो से भोगता हुँ क्यां भोगता रहुँगा,
करूणा की भीख तुमसे क्या मांगता रहुंगा,
अहसास दर्द का तुम कब तक करोगे दाता ।।
इस दीन पे करम... ।। २ ।।

कुछ खास मौके होते होती तभी सुनाई,
इस खास दिन में बाबा कर दो मेरी रिहाई,
इंसाफ ''हर्ष'' मेरा कब तक करोगे दाता ।।
इस दीन पे करम... ।। ३ ।।

श्री श्याम वन्दना

तर्ज - माही मैनु छडियो ना...

ओ कान्हा रे SSS
उंगली पकड़ ले रे ओ कान्हा मोहे डर बड़ा लगता,
बाहों में जकड़ ले रे ओ कान्हा मोहे डर बड़ा लगता,
दुख हरता सदा, दया करता सदा,
तुही थामके कलाई संग, चलता सदा,
बस तु ही साथी मेरा,
दुखड़े तु हरले रे ओ कान्हा कोई और नहीं हरता,
बाजुओ में भर ले रे ओ कान्हा कोई और नहीं भरता ।। टेर ।।

तेरे सिवा दूजा नहीं कोई अपना, चरणों से बाबा तु लगाये रखना,
हालत दिल की ये तुही पहचाने, कैसे बताऊँ तुझे सब तुही जाने,
दुख हरता सदा, दया करता सदा,
तुही थामके कलाई संग, चलता सदा, बस तुही साथी मेरा,
आफतो को गिन ले रे ओ कान्हा कोई और नहीं गिनता ।।१।।

सिरपे दयालु तेरा हाथ धरदे, मन की मुरादे मेरी पुरी करदे,
बेटे की सुध ले ले आजा खाटुवाले डूब रहा हुं आके मुझको बचाले,
दुख हरता सदा, दया करता सदा,
तुही थामके कलाई संग, चलता सदा बस तुही साथी मेरा,
'हर्ष' की सुनले रे ओ कान्हा कोई और नहीं सुनता ।।२।।

श्री श्याम वन्दना

तर्ज : इस योग्य हम कहाँ है...

ए दो जहां के मालिक मेरी खता बता दे,
चरणों से दूर दाता तूने क्यूं किया बता दे ।। टेर ।।

जीने को जी रहा हूँ लेकिन मजा नहीं है,
तुझसे जो दुरियां है क्या ये सजा नहीं है,
मुझे थामले दयालु ये फासलें मिटा दे ।।
ए दो जहां के मालिक... ।। १ ।।

दुनिया की दौलतों की चाहत नहीं है दाता,
चरणों में बस जगह तु दे दे मेरे विधाता,
हाथों को मेरे सिरपे जरा प्यार से फिरा दे ।।
ए दो जहां के मालिक... ।। २ ।।

तेरे पथ पे चल रहा हूं इक दिन तो तु मिलेगा,
उम्मीद का ये दीपक इक दिन प्रभु जलेगा,
तेरे ''हर्ष'' के हृदय का अंधियारा तु मिटा दे ।।
ए दो जहां के मालिक... ।। ३ ।।

श्री श्याम वन्दना

तर्ज : और नहीं कुछ तुझसे कहना जीवन साथी...

और नहीं मैं कुछ भी चाहुं,
बाबा तेरा-३, साथ मैं पाऊँ ।। टेर ।।

बिन बाती ज्युं दीपक सूना,
वैसे ही मैं तुझ बिन हुँ ना,
तेरे विरह की पीड़ सहुँ ना,
बिन तेरे बनवास बिताऊँ ।।
बाबा तेरा-३... ।। १ ।।

रात की कालिख चान्द मिटायें,
दूर गगन पे वो छा जाये,
मेरे फलक पे जब तु छाये,
जीवन को रोशन कर पाऊँ ।।
बाबा तेरा-३... ।। २ ।।

जब सोऊँ सपनों में आओ,
पलकों में हे श्याम समाओ,
''हर्ष'' तेरा दीदार कराओ,
मन आँखों से दर्शन पाऊँ ।।
बाबा तेरा-३... ।। ३ ।।

श्री श्याम वन्दना

तर्ज : जयजयकारा (फिल्म बाहुबली - २)

क्या कहीं मुरुझाये फूल भी खिलते हैं,
क्यां कभी तूफां में दीपक जलते हैं,
होनी हुई अनहोनी, सब दूर हुए हैं गम,
श्याम तेरे दर पे, जान गये हैं हम,
तुही हमारा तुही सहारा, तु मझधारा,
तुही किनारा, तुही सबसे न्यारा,
जयजयकारा, जयजयकारा, देते रहना श्याम सहारा ।।

जहाँ जहाँ तेरी ज्योत जले वो घर पावन हो जाता है,
पावन ये ज्योति तेरी ज्योति ये तेरी,
बिल्कुल ना है शंका दुनियां में बाजे है डंका,
चरणों में झुकते सारे माया है तेरी,
तु निर्बल का रखवारा, तुही है जग उजियारा,
हम दीनों के जो दुखड़े हरते हो सांवरिये,
तुही है भगतों का प्यारा,
जय जय कारा-२, देते रहना श्याम सहारा ।। १ ।।

जिसपे भी हो महर तेरी वो पापी भी तर जाता है,
जाने ये कैसा जादु जादु है तेरा,
तु निर्धन का धन है बाबा रखवाला दीनों का,
हमकों क्या डर है स्वामी साया है तेरा,
करुणा की बहती धारा, पूजे है ये जग सारा,
हम भगतों पे जो रहमत बरसे है खाटु में,
''हर्ष'' वो ही अमृत की धारा,
जय जय कारा-२, देते रहना श्याम सहारा ।। २ ।।

श्री श्याम वन्दना

तर्ज : बोलो जी दयालु दिलदार...

कइयाँ थाने दुखड़ो सुणाऊँ सांवरा,
कालजे ने चीर के दिखाऊँ सांवरा ।। टेर ।।

दास थारो दु:ख, भोत सहयो,
और ना इब म्हासुं, जाय सहयो,
थारे सिवा कीने मैं बताऊँ सांवरा ।। १ ।।

थां बिन दुखड़ा, कुण हरसी,
थे ना करो तो, कुण करसी,
चरणां में अरज लगाऊँ सांवरा ।। २ ।।

महर करो इब, सांवरिया,
अरज करे थारा, टाबरिया,
आसुँड़ा की भेंट चढ़ाऊँ सांवरा ।। ३ ।।

श्याम धणी म्हापे, दया करो,
''हर्ष'' भगत की, पीड़ हरो,
थारे होतां दुख कँईया पाऊँ सांवरा ।। ४ ।।

श्री श्याम वन्दना

तर्ज : खाटु के बाबा श्याम जी मेरी रखोगे लाज...

कीर्तन माहीं श्याम जी, बेगा आओ धणी,
आया ही आराम जी, बेगा आओ धणी ।। टेर ।।

बाट उड़ीके टाबरिया,
देर करो क्युं सांवरिया,
देरी को के काम जी ।। १ ।।

भगतां की क्युं फिकर नहीं,
बेगा आओ सबर नहीं,
भोत बड़ो थारो नाम जी ।। २ ।।

ज्योत जगा कर बैठ्या हाँ,
आस लगा कर बैठ्या हाँ,
महर करो घनश्याम जी ।। ३ ।।

दीन दयाल थे आओ ना,
भगतां ने तरसाओ ना,
''हर्ष'' को सुण पैगाम जी ।। ४ ।।

श्री श्याम वन्दना

तर्ज : लुट रहा लुट रहा...

चढ़ गयो चढ़ गयो चढ़ गयो रे,
सांवरे को जादु चढ़ गयो रे ।। टेर ।।

एक बार जो खाटु जावे, बीने फेर बुलावे है,
निज भगतां की बिन बोल्यां ही, बाबो आस पुरावे है,
जाल बिछायां बैठ्यो है, जावणियो तो फंस गयो रे ।।
चढ़ गयो चढ़ गयो... ।। १ ।।

पाछो आयां जी ना लागे, ओज्युं जाणें की सोचे,
काम काज में मन ना लागे, बीने बस खाटु सूझे,
बैठ बावलो सोच रह्यो, की चक्कर में पड़ गयो रे ।।
चढ़ गयो चढ़ गयो... ।। २ ।।

हाथ तेरो यो जीवन भर इब,''हर्ष'' कदे ना छोड़ेलो,
दुखड़ा की उलझोड़ी बेड़ी, बाबो आके तोड़ेलो,
प्रीत डोर सुं बाध लियो, साथी तेरो बण गयो रे ।।
चढ़ गयो चढ़ गयो... ।। ३ ।।

श्री श्याम वन्दना

तर्ज : गिरधर मेरे मौसम आया...

चालो भगतो नजर उतारां सांवरिया सरकार की,
प्यारी झांकी आज निहारां लीले के असवार की ।। टेर ।।

मनमोहक मन भावणों सोणो सो सिणगार,
सुरगां सु न्यारो प्रभु थारो यो दरबार,
छवि जादुगारी छटा है मनुहारी,
सलूणों भगतां पे देखो नजर का तीर चलावे है ।। १ ।।

मोर मुकुट माथे धरयो तन सोवे बागो,
गुल बनड़ो सो सोवणो लागे है बाबो,
निराली मोर छड़ी थारे हाथां में सजी,
भगत वो सुध विसरावे है जो थांसु नैण मिलावे है ।। २ ।।

नजर हटे ना सांवरा कोशिश करूँ हजार,
रूप सलूणों देखके ''हर्ष'' गयो दिल हार,
थारे में खो गयो थारो ही हो गयो,
बिना देख्यां ना रह पाऊँ थारी बस ओल्युँ आवे है ।। ३ ।।

श्री श्याम वन्दना

तर्ज - कन्हैया ले चल परली पार...

चलो रे खाटु के दरबार,
जहाँ विराजे शीश का दानी मेरा लखदातार ।। टेर ।।

शरण बाबा की आ जाओ,
जो चाहो वो सब कुछ पाओ,
चरण में शीश नवा जाओ,
दया बाबा की पा जाओ,
कलयुग का है देव निराला भर देगा भण्डार ।। १ ।।

वहां हारे का सहारा है,
सांवरा सेठ हमारा है,
डूबते हुए को तारा है,
खिवैया वही हमारा है,
हिचकोले खाती नैया को करदे परली पार ।। २ ।।

भगत की आँखों को पढ़ता,
नहीं कहना कुछ भी पड़ता,
बिना बोले दुखड़े हरता,
बिना मांगे झोली भरता,
'हर्ष' कहे दुनिया में दूजी ना ऐसी सरकार ।। ३ ।।

श्री श्याम वन्दना

तर्ज : जब भी ये दिल उदास होता है...

जब कभी दिल उदास होता है,
तु मेरे आस पास होता है ।। टेर ।।

कोई रस्ता नजर नहीं आये, उलझनों से भरी हो जिन्दगानी,
मेरे कानों में आके कह जाये,
''तेरी हर लूंगा सारी परेशानी'' -२ ।।
जब कभी दिल... ।। १ ।।

वक्त कटता हो मेरा रो रोकर, चेहरा मुरझाया सा ये रहता हो,
मानो बालों में फेरता उँगली,
''मेरा दातार पास बैठा हो''-२ ।।
जब कभी दिल... ।। २ ।।

मेरी लाचारियों में जब बाबा, मेरा अपना भी पास ना आता,
''हर्ष'' हरने को मेरी मजबूरी,
''लीले चढ़के तु श्याम आ जाता'' -२ ।।
जब कभी दिल... ।। ३ ।।

श्री श्याम वन्दना

तर्ज - इस परदेशी मेरा दिल...

जबसे नजर तेरी पड़ गई है,
सांवरे पतगं मेरी उड़ गई है ।। टेर ।।

पहले मैं उड़ाता था तो झट कट जाती थी.
ज्यादा देरी आसमां में टिक नहीं पाती थी,
जबसे ये हाथों तेरे पड़ गई है ।।
सांवरे पतगं मेरी... ।। १ ।।

नशा तेरे भजनों का कैसा मैं बताऊँ,
नीन्दों में सांवरे मैं गुण तेरे गाऊँ,
जबसे खुमारी तेरी चढ़ गई है ।।
सांवरे पतगं मेरी... ।। २ ।।

'हर्ष' की डोरी बाबा थामे युँ ही रखना,
ढ़ीली मत छोड़ देना कसके पकड़ना,
जबसे ये प्रीत तुझसे जुड़ गई है ।।
सांवरे पतगं मेरी... ।। ३ ।।

श्री श्याम वन्दना

तर्ज : जब कोई नहीं आता...

जिस घड़ी ओ सांवलिये, मैं शरण तेरी आया,
जो सोचा नहीं था वो, मैने होते हुए पाया ।। टेर ।।

पत्थर की मूरत है, पर अजब ही शक्ति है,
युंही ना दुनिया में, तेरी होती भगती है,
बिल्कुल मैं अकेला था, तुझे साथ खड़ा पाया ।। १ ।।

बेजान सा पुतला है, हर बात समझता है,
जिस भाव से जो आये, हर भाव समझता है,
तुझे कहने से पहले, हर काम बना पाया ।। २ ।।

मुझे कुछ ना सूझा तो, चरणों में आ बैठा,
बैचेनी छोड़ यँहा, मैं चैन से घर लौटा,
मेरी थाम कलाई तु, सही राह पे ले आया ।। ३ ।।

ऐसा कुछ है तुझमें, जो देख न हम पाते,
तुम ''हर्ष'' हमें बाबा, महसूस करा जाते,
दातार तेरी माया, मैं समझ नहीं पाया ।। ४ ।।

श्री श्याम वन्दना

तर्ज : जैसे निर्धन को मिले हीरे मोती...

जो मैं देखन चली सांवरे की गली,
दिल ये मेरा वहां खो गया,
बेसुधी में ये क्या हो गया-२ ।। टेर ।।

देखकर मस्त मतवारी बांकी अदा,
नैन से नैन मिलने की पाई सजा,
रूप के जाल में फंस गई बावरी,
मोहिनी सी अदा ने लिया है लुभा,
क्या खुमारी चढ़ी, अब ये सोचुं खड़ी,
सांवरे का नशा हो गया,
बेसुधी में ये क्या हो गया-२ ।। १ ।।

नैन ज्युंही मिले चैन दिल का गया,
ढुंढती मै रही वो कहीं छिप गया,
सिर्फ दिल का सुकुं था खजाना मेरा,
श्याम की इस गली में भी वो लुट गया,
मैं अनाड़ी बड़ी, वो खिलाड़ी बड़ा,
बावरा दिल फिदा हो गया,
बेसुधी में ये क्या हो गया-२ ।। २ ।।

वो मिला तो मुझे जिन्दगी मिल गई,
कृष्ण चरणों की अब बंदगी मिल गई,
''हर्ष'' खोकर के दिल मैंने पाया उसे,
ना खतम हो कभी वो खुशी मिल गई,
वो हुआ है मेरा, उसकी मैं हो गई,
अब वो मेरा खुदा हो गया,
बेसुधी में ये क्या हो गया - २ ।। ३ ।।

श्री श्याम वन्दना

तर्ज : तेरी आंख्याँ को यो काजल...

थारी सूरत प्यारी प्यारी, थारी चितवन जादुगारी,
थारा नैण नशीला कान्हा, भगतां पे चढ़ी खुमारी,
म्हाने पलपल पलपल झाला देर बुलावे है,
घनश्याम नजर सुं म्हापे तीर चलावे है ।। टेर ।।

आँखड़ल्यां ने म्हारी, म्हारो श्याम भावे है,
सोतां उठतां होठा पे, थारो नाम आवे है,
थांसु आख्याँ क्युं मिलाई, म्हे तो नीन्दडली गंवाई,
थे प्रेम की मूरत कान्हा, म्हे था संग प्रीत लगाई ।।
म्हाने पलपल...।। १ ।।

जी में आवे बाबा, मैं फूल बण जाऊँ,
मैं फूल बण के थारे, गजरे में गुंथ जाऊँ,
म्हाने चाकर श्याम बणाल्यो, थारी सेवा में लगाल्यो,
म्हे फिरां भटकता बाबा, म्हाने चरणां में बिठाल्यो ।।
म्हाने पलपल...।। २ ।।

थारो ''हर्ष'' थारी सूरत पे, बलिहार है बाबा,
थारे चरणां माही राखो, मनुहार है बाबा,
थारो रस्तो बाबा जोऊँ, थारी यादड़ली में रोऊँ,
थाने देख के बाबा जागुँ, थाने देख्याँ पाछे सोऊँ ।।
म्हाने पलपल...।। ३ ।।

श्री श्याम वन्दना

तर्ज : स्वर्ग से सुन्दर...

थारी मरजी जइयां बुलाओ खाटु में सरकार,
थां बिन मनझो लागे कोनी लीले का असवार,
मने थारी गोदी दे दयो श्याम थारी गोदी दे दयो ।। टेर ।।

ट्रेन में बुलाल्यो चाहे प्लेन में बुलाल्यो,
जनरल में चाहे बाबा एसी में बुलाल्यो,
जइयां चावो बइयां बुलाल्यो चौखट पे हर बार ।।
मने थारी गोदी... ।। १ ।।

बेटे की हालत कोन्या थारे सुं छानी,
एकर दयालु निजरां फेरो मेरे कानी,
एकलो या जोड़े सु आऊँ हुकम करो दातार ।।
मने थारी गोदी... ।। २ ।।

महल ना मांगु थासुं मालिया ना मांगु,
चरणां की बाबा थारे सेवा ही मांगु,
''हर्ष'' थारे चरणां की सेवा दे दयो लखदातार ।।
मने थारी गोदी... ।। ३ ।।

श्री श्याम वन्दना

तर्ज : थे तो आरोगो जी मदन गोपल...

थोड़ी पलक्याँ ने उघाड़ो बाबा श्याम,
भगत थारे द्वार खड़्यो ।। टेर ।।

अपणों जाण के थाने बाबा थारी शरणां आयो,
लाखां ने थे गले लगाया मन्ने क्युँ बिसरायो,
एकर देखो मेरे कानी घनश्याम ।।
भगत थारे द्वार... ।। १ ।।

इतणों तो मैं जानुं होसी मेरी आज सुणाई,
आँख्यां मीच के बैठ्या बोलो कइयां देर लगाई,
राखो शरणागत को बाबा थोड़ो मान ।।
भगत थारे द्वार... ।। २ ।।

''हर्ष'' भगत के मन की बाबा सै थे जाणों बूझो,
थारे जैसो दुनियां मांही मायत ना है दूजो,
थारे देख्यां ही इब होसी आराम ।।
भगत थारे द्वार... ।। ३ ।।

श्री श्याम वन्दना

धमाल

तर्ज : गर जोर मेरो चाले...

दरजीड़ो आयो, सांविरयां आवो थारो नाप ल्युँ,
बागे माही थारे बाबा, माणक मोती टाँक दयुँ ।। टेर ।।

सबसुं महंगो सबसु न्यारो कपड़ो छाँट के ल्याऊँ,
रंगरेजा सुं जाय रंगाऊँ केशरिया रंग राच द्युँ ।।
दरजीड़ो आयो... ।। १ ।।

बारीक काम करुँलां बाबा मैं थारे मन चायो,
कोर कसर छोड्डु ना कोई चोखी तरियां जाँच ल्युँ ।।
दरजीड़ो आयो... ।। २ ।।

ऐसो सीम के ल्याऊँ जीने निरखे दुनियां सारी,
एकर देख्यां जी ना भरेलो मुड़-मुड़ कर मैं झांक ल्युँ ।।
दरजीड़ो आयो... ।। ३ ।।

''हर्ष'' मजुरी के बदले में इतणों सो दे दीज्यो,
जनम जनम की सेवा थारी थारे सै मैं मांग ल्युँ ।।
दरजीड़ो आयो... ।। ४ ।।

श्री श्याम वन्दना

तर्ज : बहुत प्यार करते हैं...

दया बिन तुम्हारे कौन करेगा,
तुम ना करोगे तो कौन करेगा ।। टेर ।।

बख्शी जो तुमने, इज्जत यहाँ पे,
देखोगे कैसे, लुटती जहाँ में,
लाज की रक्षा, कौन करेगा ।।
दया बिन तुम्हारे... ।। १ ।।

कातर नजर से, तुझको निहारूँ,
निर्बल के साथी, आजा पुकारूँ,
चिन्ता हमारी, कौन हरेगा ।।
दया बिन तुम्हारे... ।। २ ।।

''हर्ष'' दयालु, रस्ता दिखाओ,
संकट में मेरा, साथ निभाओ,
दुखड़े हमारे, कौन सुनेगा ।।
दया बिन तुम्हारे... ।। ३ ।।

श्री श्याम वन्दना

तर्ज : बचपन की मोहब्बत को...

दर्शन को तेरे बाबा मेरी आँख तरसती है,
तेरी याद में सांवलिये रह रह के बरसती है ।। टेर ।।

बेचैन ये दिल मेरा मिलने को मचलता है,
अरमान जिया का ये अंसुओं में ढ़लता है,
नादान हुं मैं बाबा कह दे क्या गलती है ।।
तेरी याद में सांवलिये... ।। १ ।।

आया ना बुलावा क्युं क्या भूल हुई मेरी,
गर खता हुई कोई माफी में क्या देरी,
तेरे दर पे सुनाई में देरी ना लगती है ।।
तेरी याद में सांवलिये... ।। २ ।।

नजरों से ना दूर करो चाहे जितनी सजा देना,
तेरे ''हर्ष'' की भी बाबा सुध लेते ही रहना,
तेरे दास को अब तुझसे ये दूरी खलती है ।।
तेरी याद में सांवलिये... ।। ३ ।।

श्री श्याम वन्दना

तर्ज : कहे तोसे सजना ये तोहरी सजनिया...

देख्याँ बिना कान्हुड़ा, माने ना हिवड़ियो,
बाण कसुती लागी, लागे ना जिवड़ियो ।। टेर ।।

मन रो सुवटियो थारी रटन लगावे रे,
तोड़ के पिंजरो पंछी उड़ उड़ जावे रे,
हाथ ना आवे म्हारा सांवरा पकड़ियों ।। १ ।।

प्रेम कर्‌यो क्युं थांसु घणो पछताऊं रे,
यादां में थारी जागुं सो नाही पाऊं रे,
चोखो फंसायो कान्हा थारो के बिगड़ियो ।। २ ।।

पंछी फंसाणों थारी बाण पुराणी रे,
बावलो भगत थारो बात ना जाणी रे,
फेरे में सुणल्यो एंके कोई ना पड़ियो ।। ३ ।।

जोग लियो है इबतो जोगिड़ा कुहावां रे,
''हर्ष'' थे मिलियो म्हासुं इतणों म्हे चावाँ रे,
मिलणे के पाछे ना थे म्हांसु बिछड़ियो ।। ४ ।।

श्री श्याम वन्दना

तर्ज : न किसी की आँख का नूर हूँ...

ना कभी तेरा सुमिरन किया,
प्रभु अवगुणों की मैं खान हुँ,
जो किसी के काम ना आ सका,
मैं वो मतलबी इन्सान हुँ ।। टेर ।।

मेरे शब्द हैं टूटे हुए,
मेरा स्वर भी है बिखरा हुआ,
तुझको रिझाऊँ भला मैं क्या,
मैं तो बेसुरी इक तान हुँ ।। १ ।।

ना कभी किसी का भला किया,
खुदगर्जियों में मैं जी रहा,
मतलब के घूंट जो पी रहा,
माया में लिपटी वो जान हूँ ।। २ ।।

रखा है तुमने जो थाम कर,
संतोष दिल में ये जान कर,
तेरा ''हर्ष'' ना काबिल तेरे,
तेरी रहमतो से हैरान हूँ ।। ३ ।।

श्री श्याम वन्दना

तर्ज : रखवाला प्रतिपाला मेरा लाल...

ना बिसारो ना बिसारो, बाबा टाबरियो हुँ थारो,
भलो बुरो मैं कुछ ना जाणु, जैसो भी हुँ थारो जी थारो ।।

निपट अनाड़ी हुँ मैं बाबा, ऊँच नीच ना जाणुँ,
टाबरियो गलती करसी तो, नाम बिगड़सी थारो जी थारो ।।
ना बिसारो... ।। १ ।।

के करणों है के नहीं करणो, बिल्कुल समझ न पाऊँ,
बालकियों जै भूल करे तो, नाम लागसी थारो जी थारो ।।
ना बिसारो... ।।२ ।।

मायत जीने बिसरावे जद, कुण तो गले लगावे,
था बिन रस्तो कुण दिखासी, उण्डी बात विचारो विचारो ।।
ना बिसारो... ।।३ ।।

भोलो टाबर पिता ने बाबा, लागै सैं सु प्यारो,
''हर्ष'' थारे बेटे ने बाबा, थारो एक सहारो सहारो ।।
ना बिसारो... ।। ४ ।।

श्री श्याम वन्दना

तर्ज - मेरो चाँद छुपयो बैठयो यारो घूँघट...

निरख निरख यो गयो खिसक भगतां की फौज ने,
मेरो श्याम छुप्यो बैठ्यो भगतो परदे की ओट में ।।

होली खेलण आया बाबा होली खेल के जावांगा,
राजी राजी बाहर आजा तेरे रंग लगावागां,
भांत भांत का रंग भरया रंगा की पोट में ।। १ ।।

चाहे जितणो छुपले तेरो पीछो म्हे ना छोड़ागां,
खाट घालके मंदरिये में धरणो देकै बैठागां,
आशीष तेरो पास्यां म्हे चरणां में लोट के ।। २ ।।

मंदरिये में बड़के बैठ्यो खेंच के बाहर ल्यावागां,
इबकी फागण तेरे सागे होली खेलके जावांगा,
अगले फागणिये तक रहस्यां म्हे तो मौज में ।। ३ ।।

रंग रंगीलो फागण आयो रंग अबीर उडावागां,
बेगो आजा 'हर्ष' तने रंगा सु आज नुहावागां,
श्याम पिलास्यां तने ठण्डाई म्हे तो घोटके ।। ४ ।।

श्री श्याम वन्दना

तर्ज : ठाढ़े रहियो ओ बांके यार रे...

सोहना श्याम मुझे रास बड़ा आया है,
तेरा अन्दाज मेरे श्याम बड़ा भाया है,
सांवला रूप समाया है मेरी नस नस में,
देख के दिल को सुकुन बड़ा आया है ।।

प्यारो लागे, लड्डु गोपाल रे,
प्यारो लागे, सोणों लागे, नीको लागे ।। टेर ।।

नैनों को भाये, मन को लुभाये,
भोली सुरतिया, चंचल अदायें,
जुल्मी ले गयो हिवड़ो निकाल रे ।। १ ।।

होठों पे प्यारी, सोहे मुरलिया,
पावों में रुनझुन, बाजे पैजनिया,
लालो चाले है मतवाली चाल रे ।। २ ।।

काहे लखाई, तोको कान्हाई,
''हर्ष'' कहुं क्या, मोको फंसाई,
ऐसे फेकों है जुल्मी ने जाल रे ।। ३ ।।

श्री श्याम वन्दना

तर्ज : राधे तेरे चरणों की...

बाबा इस बालक पे, नजरें सीधी रखना,
मैं धूल का कतरा हुं, चरणों में सदा रखना ।। टेर ।।

अवगुण का पुतला हुँ, मेरे मन में अंधेरा है,
बस ज्ञान का दीप प्रभु, रोशन तु जरा रखना ।।
बाबा इस बालक पे... ।। १ ।।

लिपटा हूँ मैं माया में, तुझे याद करूं कैसे,
अब ऐसा कुछ कर दो, तेरा नाम जपे रसना ।।
बाबा इस बालक पे... ।। २ ।।

क्या करना है मुझको, मैं भूल गया ठाकुर,
मेरी थाम के उंगली तु, बतला मुझे क्या करना ।।
बाबा इस बालक पे... ।। ३ ।।

नादान है ''हर्ष'' तेरा, जैसा भी है तेरा है,
तु पिता है मैं बेटा, मन साफ सदा रखना ।।
बाबा इस बालक पे... ।। ४ ।।

श्री श्याम वन्दना

तर्ज : छोटी से उमर में...

भगतां सुं मुण्डो फिराया क्युं कान्हुड़ा,
हुयो म्हासुं कुण सो कसूर,
हिवड़े सुं म्हाने भुलाया क्युं कान्हुड़ा,
कर्‌या म्हाने थांसु कैंया दूर ।। टेर ।।

थां सुं बिछड़ के थे ही बताओ,
कैंया भगत रह पावे ला,
फेरों ना फेरो बाबा निजरां थे म्हासुं,
म्हारे कानी देखो थे हजुर ।। १ ।।

हुकम करो थे सांवरिया थारे,
पगल्यां में म्हें पड़ जावां जी,
भूलो जी भूलो म्हारी सगली थे भूलां,
पण म्हाने भूलो ना हुजूर ।। २ ।।

सेवा में थारी म्हाने लगाल्यो,
जो थे कहोला सोई करस्यां,
मंशा पुराद्‌यो थे ''हर्ष'' भगत री,
खाटु में बुलाइज्यो हुजूर ।। ३ ।।

श्री श्याम वन्दना

तर्ज : बालम छोटो सो...

म्हारे सिरपे फिरा द्यो हाथ शरण थारी आज पड़यो,
म्हासुं करल्यो थोड़ी बात शरण थारी आन पड़यो ।। टेर ।।

अपणों जाणके थारी शरणां आ गयो,
मन को दुखड़ो थाने बतायां न गयो,
म्हारी टेर सुणो दीनानाथ शरण थारी आन पड़यो ।। १ ।।

टाबरिये की भूलां पे चित ना धरो,
थाँपे भरोसों म्हाने बाबा है घणो,
म्हारे कानी एकर झाँक शरण थारी आन पड़यो ।। २ ।।

आख्याँ मीच के कइयाँ बैठ्या सांवरा,
पलक उघाड़ो सेवक चरणां में पड़या,
म्हारी मेटद्यो काली रात शरण थारी आन पड़यो ।। ३ ।।

''हर्ष'' भरोसो म्हाने करस्यो थे दया,
भूल बिसर भगतां ने बाबा क्युँ गया,
म्हारो छोड़ ना दीज्यो साथ शरण थारी आन पड़यो ।। ४ ।।

श्री श्याम वन्दना

तर्ज : मुझे इश्क है तुम्ही से...

मैं जानता हूँ ठाकुर हर शय में तु समाया,
किसने जरा बतादे मूरत में तुझको पाया ।। टेर ।।

इन्सानियत ही केवल श्रृंगार है तुम्हारा,
भूखे को इक निवाला आहार है तुम्हारा,
तु उसका हो गया जो दीनों का बनके आया ।। १ ।।

हर एक जर्रा देता दाता तेरी गवाही,
कण कण में तु विराजे देता नहीं दिखाई,
तुझे जिस नजर से देखा उस रूप में ही पाया ।। २ ।।

बाबा बता ये दुनिया तुझे पैसे क्यूं चढ़ाती,
सृष्टि को जो चलाता दौलत उसे क्या भाती,
स्वारथ के लोभियों ने तुझे क्या से क्या बनाया ।। ३ ।।

मैं मानता हूँ तु है लेकिन अलग ठिकाना,
भटके हुओं को ठाकुर जरा रास्ता दिखाना,
निर्बल के संग चलते तुझे 'हर्ष' ने है पाया ।। ४ ।।

श्री श्याम वन्दना

तर्ज : मेरा आपकी कृपा से...

मैं पाप करते करते थक सा गया विधाता,
तुम माफ करते करते थकते नहीं हो दाता ।। टेर ।।

सब जानते हुए भी, मैं भूल कर रहा हूँ,
अंधी गली में फिर भी, बेबाक चल रहा हूँ,
नादान जानुं ना ये, रस्ता कहीं न जाता ।। १ ।।

कुछ गलत हो रहा है, मेरी रूह जानती है,
मन की ये पापी चिड़िया, फिर भी न मानती है,
चंचल ये मन का बेड़ा, रह रह के डोल जाता ।। २ ।।

मैं गलत और सही की, पहचान कर न पाऊँ,
अज्ञानता में बाबा, मैं भूल करता जाऊँ,
जिसका न हो नतीजा वो काम करता जाता ।। ३ ।।

मेरी आज तक की भूलें, मेरे सांवरे भुला दे,
अब थामले कलाई, सतपथ पे तु चला दे,
भटके हुओं को रस्ता, कहे ''हर्ष'' तु दिखाता ।। ४ ।।

श्री श्याम वन्दना

तर्ज - हम तुमसे जुदा होके...

मैं पाप का पुतला हूँ, तु दया की मूरत है,
तु दया करी मूरत हैSSS ।। टेर ।।

सांसारिक हुँ दाता, माया में लिपटा हूँ-२
पग पग पे कपट करूँ, पापों में उलझा हूँ,
मैं भूल गया चलती, यहां तेरी अदालत है ।।
मैं पाप का पुतला... ।। १ ।।

तु हाकिम मैं मुजरिम, कर माफ गुनाह मेरे-२
इस बार बरी करदे, लो शरण पड़ा तेरे,
फरियादी को मिलती, यहाँ तेरी इनायत है ।।
मैं पाप का पुतला... ।। २ ।।

हे दीन बन्धु मेरी, कर माफ खता प्रभुवर-२
ले 'हर्ष' पकड़ बाँहे, आगे का रस्ता कर,
इस दीन की हस्ती तो, यहाँ तेरी बदौलत है ।।
मैं पाप का पुतला... ।। ३ ।।

श्री श्याम वन्दना

तर्ज : हारे के सहारे आजा...

मैं हार के दर पे आया, मुझे दुनिया ने बिसराया,
खाटु वाले सुनले, मेरे दुख हर ले ।। टेर ।।

ठोकरें मैं सदा श्याम खाता रहा, हाँ रहा,
मेरा साया भी मुझको रुलाता रहा, हाँ रहा,
आजा गले से लगा, दूजा तेरे ना सिवा,
बड़ी आस लिये मैं आया ।। १ ।।

मैं दुखी हुँ मेरे सारे दुखड़े हरो, हाँ हरो,
मेरी कश्ति किनारे पे बाबा करो, हाँ करो,
बड़ा गहरा मझधार, हाथों छूटी पतवार,
मैं तो मुश्किल में घिर आया ।। २ ।।

चैन तुझको कहां बेटा हो गर दुखी, हाँ दुखी,
आज किरपा दिखा श्याम करदे सुखी, हाँ सुखी,
''हर्ष'' मैं हूँ तेरा लाल, बाबा मुझको सम्भाल,
तेरे होते मैं क्युँ मुरझाया ।। ३ ।।

श्री श्याम वन्दना

तर्ज - मेला मैया दा...

मैनु नचण दे, जमके करूं धमाल,
दिवाने बाबा के, नच रहे नो नो ताल,
ओ मैनु नचण दे ।। टेर ।।

हारे का सहारा मेरे, घर में पधारा मै तो, खुशियों से फूलां जाऊँ,
कैसे मैं रिझाऊ इसे, कोई तो बतादे मुझे, कुछ भी समझ ना पाऊँ,
बिगड़ी बनाने वाला, दुखड़े मिटाने वाला, कर गया आज निहाल ।।
मैनु नचण दे... ।। १ ।।

बड़ी मनुहारी प्यारी, छबि जादूगरी न्यारी, सांवरे पे मैं बलिहारी,
मोहिनी अदाओं वाला, तिरछी निगाहो वाला, आया मेरा श्याम बिहारी,
घर मेरे आया, मेरा मान बढ़ाया मुझे, कर गया मालामाल ।।
मैनु नचण दे... ।। २ ।।

ठुमके लगाओ सारे, नचके दिखाओ प्यारे, चमके है आज सितारे,
सर को झुकाओ सारे, धोक लगाओ प्यारे, 'हर्ष' हुए वारे न्यारे,
लीले की सवारी प्यारी, आया देखो लीलाधारी, कर गया आज कमाल ।।
मैनु नचण दे... ।। ३ ।।

श्री श्याम वन्दना

तर्ज : आज हम अपनी दुआओं का असर देखेगें...

मैने इन अपनी निगाहों को जिधर फेरा है,
अक्श उधर तेरा है, अक्श उधर तेरा है ।। टेर ।।

सांवरे दिल को चुरा कर के भी मुस्काते हो,
श्याम इस दिलको चुरा करके क्युं छुप जाते हो,
ये भी क्या कम है कि पलकों पे तेरा पहरा है ।।
अक्श उधर तेरा है... ।। १ ।।

माफ करना तेरी मुस्कान फंसा लेती है,
अपना गैरों को भी चुपचाप बना लेती है,
तेरी मुस्कान का ये घाव बड़ा गहरा है ।।
अक्श उधर तेरा है... ।। २ ।।

अब ना देखुंगा किसी ओर का दर आज के बाद,
''हर्ष'' खो जाऊँगा चितवन में तेरी आज के बाद,
आज के बाद दिवाने का ये दिल तेरा है ।।
अक्श उधर तेरा है... ।। ३ ।।

श्री श्याम वन्दना

तर्ज : आ लौट के आजा...

मेरी नाव पड़ी मझधार सम्भालो सांवरिया सरकार,
मुझे तेरा सहारा है सम्भालो सांवरिया सरकार ।। टेर ।।

काली घटाओ ने कस्ति को घेरा छाया घोर अंधेरा,
धीरज मेरा छूटा जाये छूटा जाये किनारा,
मेरी थाम लो पतवार सम्भालो सांवरिया सरकार ।।
मेरी नाव पड़ी मझधार... ।। १ ।।

तेरे हाथों मेरी लाज का गहना नटवर ओ नागरिया,
मैंने कवच तेरे नाम का पहना ओ मेरे सांवरिया,
मुझे तेरी है दरकार सम्भालो सांवरिया सरकार ।।
मेरी नाव पड़ी मझधार... ।। २ ।।

हारे के साथी अब तो आजा देदे आके सहारा,
''हर्ष'' भगत ने बाँहे पसारी बाबा तुझको पुकारा,
मैने खाई किस्मत की मार सम्भालो सांवरिया सरकार ।।
मेरी नाव पड़ी मझधार... ।। ३ ।।

श्री श्याम वन्दना

तर्ज - तेरे बगैर सांवरिया जिया नहीं जाये...

मेरी निगाह कन्हैया हटे नहीं तुमसे,
ये कैसा जादु किया है सलोने श्याम बता ।। टेर ।।

गुलाबी फूल से नाजुक, रसीले होंठ तेरे,
नशीले नैनो के प्याले, ये मानें मद से भरे,
चढ़ी ये कैसी खुमारी सलोने श्याम बता ।। १ ।।

फँसाया जाल में अपने, बड़े शिकारी हो,
नजर बिहारी युं हमपे, सदा तुम्हारी हो,
चुराया चैन क्युं तूने सलोने श्याम बता ।। २ ।।

जिया में तीर नजर का, ये क्युं उतारा है,
दिवाना करने का कैसा, हुनर तुम्हारा है,
उड़ाई नीन्दे क्युं मेरी सलोने श्याम बता ।। ३ ।।

नजर से दूर ना रखना, यही तमन्ना है,
यही पें 'हर्ष' को जीना, यही पे मरना है,
जगाई प्रीत ये कैसी सलोने श्याम बता ।। ४ ।।

श्री श्याम वन्दना

राग रचयिता - स्वाति अग्रवाल-८९६७६१२२९९

म्हे तो म्हारे कान्हुडे पे वारी जावां,
वारी जावां-३ रे बलिहारी जावां ।। टेर ।।

कान्हुड़े के माथे उपर मोर पँखी सोवे,
म्हेतो बणके मोरियो नाचां जी ।। १ ।।

कान्हुड़े की आख्याँ मांही सुरमो सोवे,
माथे कालो टीको साजे जी ।। २ ।।

कान्हुड़े के होठां पे मुरलिया सोवे,
मीठी धुन पे सुध बिसरावां जी ।। ३ ।।

कान्हुड़े के हाथां माही बाजुबंद सोवे,
ज्यांमे हीरा पन्ना साजे जी ।। ४ ।।

'हर्ष' कान्हुड़ो सैंको मनड़ो मोवे,
इने निरख निरख सुख पावां जी ।। ५ ।।

श्री श्याम वन्दना

तर्ज - मुझे प्यार की जिन्दगी देने वाले...

मेरे लाडलो मेरी किरपा जो चाहो,
बुरी आदतें सारी मुझको दे जाओ ।। टेर ।।

गुटका बुरा है, तम्बाकु को त्यागो,
सोये पड़े क्यूँ, अरे अब तो जागो,
मेवे ना चाहुं मै, बुराई चढ़ाओ ।। १ ।।

मदिरा ने लाखों, जीवन बिगाड़े,
बुरी लत ने कितने, आशियां उजाड़े,
नशा मुक्त होके, मुझे तुम दिखाओ ।। २ ।।

कभी क्या ये सोचा, बिष तु निगलता,
परिवार तेरा, तुझसे ही पलता,
उनके लिए खुद को, जीना सिखाओ ।। ३ ।।

बुराई को छोड़ो, तभी मैं मिलुगां,
तेरे वास्ते मैं, सब कुछ करूँगा,
''हर्ष'' मुझे काबिल, बनके दिखाओ ।। ४ ।।

श्री श्याम वन्दना

तर्ज : छाप तिलक सब छीने रे...

मोसे करे बरजोरी मैया तेरो यो लालो ।। टेर ।।

छुप छुप मारी जुलमी कांकरिया,
सारी मटकिया फोरी, मैया तेरो यो लालो ।।
मोसे करे बरजोरी... ।। १ ।।

तट जमुना पर चीर चुरावे,
खुब करे है ठिठोरी, मैया तेरो यो लालो ।।
मोसे करे बरजोरी... ।। २ ।।

बीच बजरिया छेड़े माँ गुजरिया,
मेरी कलईया मरोरी, मैया तेरो यो लालो ।।
मोसे करे बरजोरी... ।। ३ ।।

रंग श्याम को चढ़ गयो मोपे,
''हर्ष'' खिलाई ऐसी होरी, मैया तेरो यो लालो ।।
मोसे करे बरजोरी... ।। ४ ।।

श्री श्याम वन्दना

तर्ज : सूरज कब दूर गगन से...

रलमिल के खाटु जास्याँ, जाके निशान चढ़ास्याँ,
फागण को महनों आयो, सांवरियों सेठ बुलायो,
चालो रे धणी के जावांगा, चरणां में धोक लगावाँगा ।।

रंग रंगीलो मेलो भगतों लागयो भारी,
मेले में जाणें की करल्यो सगला त्यारी,
कोई नाच कूदता जास्याँ बाबा ने भजन सुणास्याँ ।। १ ।।

फागण के महिने में जावे दुनिया सारी,
जावणियां की झोली भर देवे दातारी,
कान्हुड़ो देवे झालो बेगा सा भगतो हालो ।। २ ।।

ढप्पली चंग बजास्याँ झूमां नाचा गास्याँ,
इक दूजे के गालां पर लाल गुलाल लगास्याँ,
केशर की भर पिचकारी रंग देस्याँ श्याम बिहारी ।। ३ ।।

अंतर की खुश्बू सुं बाबो खुश हो जावे,
''हर्ष'' धणी खुश होकर दोनुं हाथ लुटावे,
अंतर की बरखा करस्याँ खुशियां सुं झोली भरस्याँ ।। ४ ।।

श्री श्याम वन्दना

तर्ज : आपकी आँखों में कुछ महके हुए से राज हैं...

श्याम के अधरों पे इक जादुभरी मुस्कान है,
सांवरे से खूबसूरत सांवरे का नाम है ।। टेर ।।

मुस्कुराये तो लगे युँ फूल झरते हो कहीं,
मदभरी आँखों से जैसे जाम छलके हो कहीं,
इस निराले सांवरे की बस निराली शान है ।।
श्याम के अधरों पे... ।। १ ।।

बादलों में यु लगे है बिजली दमकी हो कोई,
इन हवाओं में उड़े है सोंधी खुशबु सी कोई,
मोहिनी चंचल अदायें श्याम की पहचान है ।।
श्याम के अधरों पे... ।। २ ।।

देखा मैने इक नजर तो मैं ठगा सा रह गया,
सो सका ना रात भर ही मैं जगा सा रह गया,
हर घड़ी तुझको निहारुँ ''हर्ष'' का अरमान है ।।
श्याम के अधरों पे... ।। ३ ।।

श्री श्याम वन्दना

तर्ज : आना पवन कुमार हमारे हरि...

सिर पे तुम्हारा साया श्याम तेरी फुल किरपा,
भजनों में अपने लगाया श्याम तेरी फुल किरपा ।। टेर ।।

भजनों से तेरे बाबा मेरी पहचान है,
तेरी ही दया से हुआ दुनिया में नाम है,
लायक मुझको बनाया श्याम तेरी फुल किरपा ।।
सिर पे तुम्हारा साया... ।। १ ।।

कोई ना करेगा तूने जितना किया है,
कभी नहीं सोचा तूने इतना दिया है,
शान से जीना सिखाया श्याम तेरी फुल किरपा ।।
सिर पे तुम्हारा साया... ।। २ ।।

तेरा ही सहारा मुझे तेरा ही आधार है,
''हर्ष'' तुम्हीं ने किये सपने साकार है,
हर सुख तुमसे पाया श्याम तेरी फुल किरपा ।।
सिर पे तुम्हारा साया... ।। ३ ।।

श्री श्याम वन्दना

तर्ज - आओ आ जाओ भोलेनाथ

सुनलो सुनलो दीनानाथ,
तेरी शरण में आन पड़ा हुं,
रखदो सिर पे हाथ ।। टेर ।।

हे वरदानी शीश के दानी दे दो मुझको सहारा,
छोड़ न देना इस निर्बल का, सांवलिये तु साथ ।।
सुनलो सुनलो... ।। १ ।।

दर पे तेरे मैंने बाबा झोली आज पसारी,
बिन तेरे इसे कौन भरेगा, दीनों के हे नाथ ।।
सुनलो सुनलो... ।। २ ।।

हार गया है 'हर्ष' तुम्हारा हारे के रखवारे,
हाथ पकड़लो आकर मेरा, दे दो ये सौगात ।।
सुनलो सुनलो... ।। ३ ।।

श्री श्याम वन्दना

तर्ज : एक डाल पर तोता बोले...

सेठ सांवरा मुख सुं बोलो के गलती है मेरी,
भूल बिसर क्युं बैठ्या म्हाने कइयां आँख्याँ फेरी,
बोलो बोलो मुख सुं बोलो ।। टेर ।।

टाबरियो नादान है थारो ऊँच नीच ना जाणे,
चोखो भलो बुरो भी बाबा बिल्कुल नहीं पिछाणे,
बेरो है सब थाने, कुछ ना ओले छाने,
शरणा थारी आज पड़यो है चावे किरपा तेरी,
बोलो बोलो मुख सुं बोलो ।। १ ।।

एकर मेरे कानी देखो मतना आँख फिराओ,
पकड़ आंगली मेरी बाबा मन्ने राह दिखाओ,
मतना थे बिसराओ, सिर पे हाथ फिराओ,
हिवड़े सुं थे आज भुला द्यो सगली भूला मेरी,
बोलो बोलो मुख सुं बोलो ।। २ ।।

थारी नाराजी मैं बाबा सहन नहीं कर पाऊँ,
कइयां होवोला थे राजी मैं तो समझ ना पाऊँ,
कानां हाथ लगाऊँ, चरणां शीश नवाऊँ,
''हर्ष'' कह्वे थे माफ करो इब बोलो क्यांकी देरी,
बोलो बोलो मुख सुं बोलो ।। ३ ।।

श्री श्याम वन्दना

तर्ज - काला काला कहवे गूजरी...

सोणो सोणो मेरो सांवरो वृन्दावन में रास रचे,
ऐ मीठी धुन पे गूजरी निरत करे ।। टेर ।।

काले काले श्याम के सागे,
गोरी राधा खुब जँचे ।।
ऐ मीठी धुन पे... ।। १ ।।

मीठी मीठी बजे बांसुरी,
गूजरियां पे रंग चढ़े ।।
ऐ मीठी धुन पे... ।। २ ।।

रिमझिम रिमझिम अंबर बरसे,
तन भीगे और अगन लगे ।।
ऐ मीठी धुन पे... ।। ३ ।।

थकी थकी युं गूजरी बोली,
'हर्ष' श्याम क्युं जुलम करे ।।
ऐ मीठी धुन पे... ।। ४ ।।

श्री श्याम वन्दना

तर्ज - माई तेरी चूनरिया लहराई...

सोणा सोणा सोणा ये तेरा गोपाल,
माई तेरा सांवरिया मुस्काये,
रंग तेरे श्याम का, अंग तेरे श्याम का,
ढंग तेरे श्याम का है प्यारा प्यारा प्यारा,
रंग तेरे श्याम का, अंग तेरे श्याम का,
माई तेरा सांवरिया मुस्काये,
सोणा सोणा ये तेरा गोपाल,
माई तेरा सांवरिया मुस्काये ।। टेर ।।

गिरिवर धारी यही है, बृज का दुलारा है ये,
मीरा का रक्षक यही है, करमा का प्यारा है ये, सावंरेऽऽऽ
मेरा मन तेरा दिवाना हुआ, सांवरे ऽऽऽ
दिल मेरा खोया मेरे कन्हाई,
मन को लुभाये तेरा गोपाल, माई तेरा सांवरिया मुस्काये ।।१ ।।

धेनु चरैया यही है, सबका सहारा है ये,
बंशी बजैया यही है, 'हर्ष' हमारा है ये, सांवरे ऽऽऽ
तेरे बिना जीना गवारा नहीं, सावरें ऽऽऽ
सह नहीं पाऊं तुमसे जुदाई,
नीन्दें चुराये तेरा गोपाल, माई तेरा सांवरिया मुस्काये ।। २ ।।

श्री श्याम वन्दना

तर्ज : आँख है भरी भरी और तुम...

होठ हैं सिले सिले सांवरे, बिन कहे हर बात तु समझता है,
ख्वाब है धुले-धुले सांवरे, बिन कहे हर बात तु समझता है ।।

जुबां खामोश है मेरी, बता तुझको बताऊँ क्या,
मेरे हालात ऐसे हैं, भला तुझको दिखाऊँ क्या,
घाव है हरा हरा सांवरे, बिन कहे हर बात तु समझता है ।।
होठ हैं सिले सिले... ।। १ ।।

कभी जो साथ था मेरे, वो कितनी दूर जा बैठा,
जिसे चलना सिखाया है, वही मगरूर बन बैठा,
रह गये गिले गिले सांवरे, बिन कहे हर बात तु समझता है ।।
होठ हैं सिले सिले... ।। २ ।।

मेरी गमगीन आँखों ने, तुझे हर बात कह डाली,
तेरे इस ''हर्ष'' पे छाई, मिटा दो रात वो काली,
चित है खफा खफा सांवरे, बिन कहे हर बात तु समझता है ।।
होठ हैं सिले सिले... ।। ३ ।।

क्षमा याचना

दीन बंधु मैं नतमस्तक हो, मांग रहा हुँ आज क्षमा ।।

कर्म वचन मन काया से, मुझसे जो अपराध हुआ ।।

जाने अनजाने की वो भूलें, आज मेरी तुम माफ करो ।।

तनमन के सब दोष मिटा दो, मुझको निर्मल साफ करो ।।

चाहे कुछ भी हो जाये पर, सच की राह नहीं छोडुं ।।

ऐसा दो आशीष प्रभु मैं, किसी के दिल को ना तोडुं ।।

माया में लिपटा प्राणी हुँ, घड़ा पाप का मैं भरता ।।

लेकिन तुम तो परमेश्वर हो, हमें माफ फिर भी करता ।।

''हर्ष'' कहे मैं परमपिता की, इतनी सी किरपा चाहुँ ।।

कालन्तर की भूलों को मैं, दोबारा ना दोहराऊँ ।।

श्री श्याम आरती

(तर्ज : भोर भई दिन चढ़ गया मेरी अम्बे...)

ज्योत जले बाबा, जगमग भवन में,
हो रही जय जयकार प्रभु तेरी आरती जय श्याम,
हे खाटु वाले आरती जय श्याम ।। १ ।।

चन्दी सिंहासन बाबा, आप बिराजो,
चँवर ढुरे घनश्याम भवन में आरती जय श्याम,
हे लीले वाले आरती जय श्याम ।। २ ।।

केशरिया बागा सोहे, कानों में कुण्डल,
गल पुष्पों के हार भवन में आरती जय श्याम,
हे शीश के दानी आरती जय श्याम ।। ३ ।।

शंख नगाड़ा बाजे, बाजे मृदंगा,
भक्त करे गुणगान भवन में आरती जय श्याम,
हे मुरली वाले आरती जय श्याम ।। ४ ।।

खीर चूरमें के, थाल सजे हैं बाबा,
भोग लगे दीनानाथ भवन में आरती जय श्याम,
अहिला के लाला आरती जय श्याम ।। ५ ।।

सोने की थाली में, चान्दी का दिवला,
झलिमिल जले है बाती भवन में आरती जय श्याम,
हे मंगल कारी आरती जय श्याम ।। ६ ।।

''हर्ष'' कहे जो भी, जस तेरा गावे,
हो जावे कल्याण भवन में आरती जय श्याम,
भक्तन रखवारे आरती जय श्याम ।। ७ ।।

श्री श्याम जी की आरती

ॐ जय श्री श्याम हरे, बाबा जय श्री श्याम हरे ।
खाटू धाम विराजत, अनुपम रूप धरे ।। ॐ जय ।।

रतन जड़ित सिंहासन, सिर पर चंवर ढुरे ।
तन केशरिया बागो, कुण्डल श्रवण पड़े ।। ॐ जय ।।

गल पुष्पों की माला, सिर पर मुकुट धरे ।
खेवत धूप अग्नि पर, दीपक ज्योति जले ।। ॐ जय ।।

मोदक खीर चूरमा, सुवरण थाल भरे ।
सेवक भोग लगावत, सेवा नित्य करे ।। ॐ जय ।।

झांझ कटोरा और घड़ियावल, शंख मृदंग धुरे ।
भक्त आरती गावे, जय-जय कार करे ।। ॐ जय ।।

जो ध्यावे फल पावे, सब दुख से उबरे ।
सेवक जन निज मुख से, श्री श्याम-श्याम उचरे ।। ॐ जय ।।

श्री श्याम बिहारी जी की आरती, जो कोई नर गावे ।
कहत ''आलूसिंह'' स्वामी, मनवाछिंत फल पावे ।। ॐ जय ।।

जय श्री श्याम हरे, बाबा जय श्री श्याम हरे ।
निज भक्तों के तुमने, पूरण काम करे ।। ॐ जय ।।

श्री हनुमान जी की आरती

आरती कीजै हनुमान लला की, दुष्ट दलन रधुनाथ कला की ।।

जांके बल से गिरिवर कांपे, रोग दोष भय निकट न झांपे ।।

अंजनी पुत्र महा बलदायी, संतन के प्रभू सदा सहाई ।।

दे बीरा रघुनाथ पठाये, लंका जारि सिया सुधि लाये ।।

लंका-सी कोट समुद्र-सी खाई,जात पवनसुत बार न लाई ।।

लंका जारी असुर सब मारे, सियाराम जी के काज सँवारे ।।

लक्ष्मण मुर्छित पड़े धरणी पर, आन संजिवन प्राण उबारे ।।

पैठी पाताल तोरि यमकातर, अहिरावण की भुजा उखारे ।।

बाँये भुजा सब असुर संहारे, दाहिने भुजा सब संत उबारे ।।

सुरनर मुनिजन आरती उतारे, जै जै जै हनुमानजी उचारे ।।

कंचन थाल कपूर की बाती, आरती करत अञ्जनी माई ।।

जो हनुमानजी की आरती गावे, बसि बैकुण्ठ परम पद पावे ।।

लंक विध्वंस किये रघुराई, तुलसी दास स्वामी कीरति गाई ।।